twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 02 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 175, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

आतंकियों को शाह की चेतावनी: चुन-चुन कर जवाब मिलेगा

भारत की इंच-इंच भूमि से आतंकवाद मिटाने का संकल्प: गृह मंत्री शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने लड़ाई जीत ली है। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और हम चुन-चुन के बदला लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली के कैलाश कालोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोड़ो नेता बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा के सम्मान में एक सड़क का नामकरण और प्रतिमा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगी यह प्रतिमा केवल बोडोलैंड और असम के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह देशभर की छोटी-छोटी जनजातियों का सम्मान है जो आजादी के कई सालों तक उत्कर्ष और विकास के लिए संघर्षरत रहीं। शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत पहलगाम में आतंक की भेंट चढ़े लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों को आश्वस्त किया कि पूरा देश उनके साथ है। उन्होंने कहा कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीरो टॉलरेंस की नीति है। शाह ने कहा, हम मजबूती के साथ अपनी लड़ाई लड़े हैं। वो (आतंकवादी) ये न समझे हमारे 27 नागरिकों की जान लेकर ये लड़ाई जीते हैं।

मैं सभी आतंक फैलाने वालों को कहना चाहता हूं कि लड़ाई का अंत नहीं है। यह एक मुकाम है। हर व्यक्ति को चुन-चुन कर जवाब भी मिलेगा और जवाब भी लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उत्तर-पूर्व, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र और कश्मीर पर पड़ी आतंकवाद की छाया का मजबूती के साथ जवाब दिया है।

शाह ने कहा कि कायराना हमला करके यदि कोई ये समझता है कि उनकी बड़ी जीत है तो ये बात समझ ले ये मोदी सरकार है किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

'आतंकवाद को उखाड़ फेंकने का हमारा संकल्प'

शाह ने कहा कि देश की इंच-इंच भूमि पर से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ फेंकने का हमारा संकल्प है और वह सिद्ध होकर रहेगा। इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतवासी बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। शाह ने कहा कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होता हमारी लड़ाई जारी रहेगी और जिन लोगों ने यह कृत्य किया है उन्हें इसका उचित दंड दिया जाएगा। बोडोफा नेता उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की नौ फीट की प्रतिमा का अनावरण किया गया। बोडोफा न केवल बोडोलैंड और बोडो जाति के लिए समस्त आदिवासी समुदाय के लिए सम्मान, समान अधिकार और पहचान की लड़ाई के लिए जाने जाते हैं। अधिकार की आजीवन लड़ाई लड़ने वाले बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्मा की पुण्यतिथि पर दिल्ली में उनकी प्रतिमा और सड़क का नामकरण करना गर्व की बात है। अमित शाह ने कहा कि वो (आतंकवादी) ये न समझे हमारे 27 नागरिकों की जान लेकर ये लड़ाई जीते हैं। मैं सभी आतंक फैलाने वालों को कहना चाहता हूं कि लड़ाई का अंत नहीं है। यह एक मुकाम है। हर व्यक्ति को चुन-चुन कर जवाब भी मिलेगा और जवाब भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उत्तर-पूर्व, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र और कश्मीर पर पड़ी आतंकवाद की छाया का मजबूती के साथ जवाब दिया है।

दहशत में पड़ोसी, चीन से मिले तोप तैनात

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी। अब पाकिस्तान लगातार अपने हवाई रक्षा और तोपखाना इकाइयों को सीमा के पास भेज रहा है।

राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में तैनाती

रक्षा सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने राजस्थान के लॉन्गेवाला और बारमेर सेक्टर के सामने कई एयर डिफेंस रडार और हथियार सिस्टम तैनात कर दिए हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान ने अपने एयरबेस की सुरक्षा के लिए एयरपोर्ट सिक्योरिटी फोर्स को भी सक्रिय कर दिया है। पाकिस्तान वायुसेना (पीएएफ) इस समय तीन बड़े युद्धाभ्यास कर रही है- फिजा-ए-बदर, ललकार-ए-मोमिन और जर्ब-ए-हैदरी। इन अभ्यासों में पाकिस्तान के सभी बड़े लड़ाकू विमान जैसे एफ-16, जेएफ-17 और जे-10 भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही, साब एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) विमानों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। ये युद्धाभ्यास 29 अप्रैल से शुरू हुए हैं। पाकिस्तानी सेना चीन से खरीदी गई एसएच-15 हॉवित्जर तोपों को भी अपनी आर्टिलरी रेजीमेंट में शामिल कर रही है। इन आधुनिक तोपों को अब सीमा के नजदीक तैनात किया जा रहा है। इससे पाकिस्तान की फायरिंग क्षमता काफी बढ़ गई है।

जीएसटी: ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली

टैक्स कलेक्शन के मोर्चे पर अच्छी खबर आई। अप्रैल में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) का कलेक्शन सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़ कर 2.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। जीएसटी कलेक्शन का ये अभी तक का ऑल टाइम हाई लेवल है। जीएसटी कलेक्शन के आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल यानी 2024 के अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन कुल 2.10 लाख करोड़ रुपये था। इसी तरह पिछले महीने यानी मार्च 2025 में कुल 1.96 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। अप्रैल में हुए जीएसटी कलेक्शन में घरेलू लेन-देन से मिलने वाली जीएसटी की राशि 10.7 प्रतिशत बढ़ कर लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये हो गई। वहीं, इंपोर्टेड गुड्स (आयातित सामान) से जीएसटी के रूप में मिलने वाला राजस्व 20.8 प्रतिशत बढ़कर 46,913 करोड़ रुपये हो गया। अगर रिफंड की बात की जाए तो पिछले महीने जारी किया गया रिफंड भी 48.3 प्रतिशत बढ़ कर 27,341 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस रिफंड को एडजस्ट करने के बाद अप्रैल के महीने में हुआ शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 9.1 प्रतिशत बढ़ कर 2.09 लाख करोड़ से अधिक हो गया। मार्च के महीने में भी जीएसटी कलेक्शन में फरवरी के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी, जिसके कारण मार्च का जीएसटी कलेक्शन 11 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि मार्च के महीने में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन में 9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी।

चुनाव आयोग की सुधारों से जुड़ी नई पहल

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने तीन नई पहल शुरू की हैं। इसके तहत मृत्युपंजीकरण डेटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त कर मतदाता सूची में सुधार किया जाएगा। दूसरी बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मानक फोटो पहचान पत्र किए जाएंगे। साथ ही मतदाता सूचना पर्चियों को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाएगा, ताकि मतदाताओं को अधिक जानकारी और सुविधा मिल सके।

पाक में भारत के हमले का खौफ चरम पर, ट्रंप से हस्तक्षेप की मांग

'गुनाहों के कठघरे' में खड़े पाकिस्तान ने ट्रंप को शांतिदूत की संज्ञा दी

न्यूयॉर्क

पिछले महीने अप्रैल की 22 तारीख को भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 'गुनाहों के कठघरे' में घिरा पाकिस्तान अब अमेरका की शरण में पहुंचा है। उसने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ में कसीदे पढ़ते हुए कहा कि वह ही भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। पाकिस्तान के 'एआरवाई न्यूज' चैनल की खबर के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए साक्षात्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को शांतिदूत की संज्ञा देते हुए मदद की गुहार लगाई है। शेख ने राष्ट्रपति ट्रंप से आग्रह किया है कि वे भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने में मदद करें। क्योंकि अमेरिकी नेता यूरोप और मध्य पूर्व में संघर्षों को हल करने का प्रयास कर रहे हैं। रिजवान सईद शेख ने कहा, "हमारे पास आपके रूप में एक ऐसा राष्ट्रपति है जो दुनिया में शांति के लिए खड़ा है। युद्धों को समाप्त कराया है। युद्धों का विरोध किया है। विवादों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभाई है। आप सचमुच कश्मीर विवाद का हल करवा सकते हैं। आज भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु क्षमता रखते हैं। इसलिए, आपका दखल जरूरी है।"

इंसान की समृद्धि के लिए गीत, संगीत, कला को महत्व देना होगा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में विश्व ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट-2025 (वेव्स) का उद्घाटन किया और इसे सृजनात्मकता का वैश्विक उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि यह भारत में सृजन करें, विश्व के लिए सृजन करें की अवधारणा को अपनाने का एकदम सही समय है। इंसान की समृद्धि इन्फोर्मेशन के पहाड़ से नहीं आएगी, ये टेक्नोलॉजी की स्पीड और रीच से भी नहीं आएगी।

इसके लिए हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य को महत्व देना होगा।

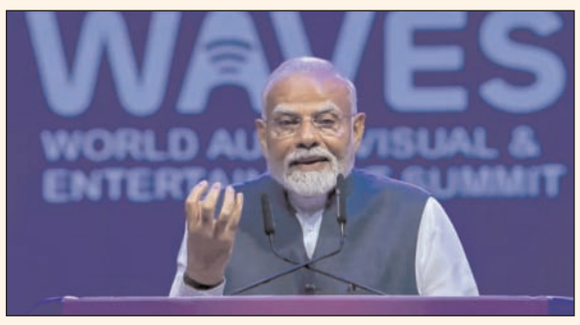

प्रधानमंत्री ने समिट में गुरु दत्त, पी. भानुमति और ऋत्विक घटक सहित भारतीय सिनेमा के पांच दिग्गजों के नाम पर स्मारक डाक टिकट भी जारी किए। उन्होंने कहा कि वेव्स केवल शब्द-संक्षेप नहीं है; यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्में, संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक जगत का आह्वान करते हुए कहा कि भारत की हर गली में एक कहानी है। मैं हमेशा कहता हूं, यही समय है, सही समय है।

यह भारत में सृजन करने और विश्व के लिए सृजन करने का सही समय है। आज जब विश्व कहानी कहने के नए-नए तरीके खोज रहा है, भारत के पास हजारों वर्षों की कहानियों का खजाना है और यह खजाना कालातीत, विचारोत्तेजक और सही मायने में वैश्विक है। प्रधानमंत्री ने रचनात्मक जिम्मेदारी के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि 21वीं सदी की तेज-तर्रार, तकनीक-संचालित दुनिया में हर व्यक्ति के जीवन में टेक्नोलॉजी की भूमिका बढ़ती जा रही है।

खराब मौसम से क्षतिगस्त फसलों और जनहानि का 24 घंटे में दिया जाए

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी, तूफान और आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के भीतर देने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर क्षतिगस्त फसलों का सर्वे कर 24 घंटे में मुआवजा देने के भी निर्देश दिये हैं ताकि प्रभावितों को राहत प्रदान की जा सके।

सीएम योगी ने पीड़ित परिवार के प्रति जतायी शोक संवेदना

उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अचानक मौसम ने करवट ली। इससे गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों तेज आंधी, तूफान, बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी।

ऐसे में सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर जनहानि का सर्वे करने के निर्देश दिये। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 1 मई को सुबह 8 बजे अचानक पूर्वांचल के जिलों में मौसम ने करवट ली। इस दौरान गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में तेज आंधी, तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली गिरी। इससे यहां के किसानों की फसलों को नुकसान होने के साथ जनहानि भी हुई। उन्होंने बताया कि गोरखपुर और बस्ती में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 4 लोगों की मृत्यु हो गयी। इसमें गोरखपुर के 13 वर्षीय सौरभ और 52 वर्षीय सुशील देवी शामिल हैं। इसी तरह बस्ती में 60 वर्षीय राम चरण और 55 वर्षीय चंद्रावती की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत्यु हो गयी। सीएम योगी ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को सहायता राशि देने के निर्देश दिये हैं।

नैनीताल, नाबालिग और बवाल: उपद्रव के बाद पर्यटन चौपट

नैनीताल

नैनीताल में दुष्कर्म के खिलाफ हुए उग्र धरने-प्रदर्शन और जुलूस के बाद से यहां पर्यटन व्यवसाय पर भारी असर पड़ा है। मई में भरे सीजन के दौरान नगर के होटल खाली पड़े हैं और आगामी दिनों के लिए एडवांस बुकिंग भी निरस्त हो रही हैं।

12 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के बाद हुआ बवाल

नैनीताल में मुस्लिम समुदाय के एक वृद्ध व्यक्ति की ओर से 12 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म करने की सूचना मिलने पर बुधवार रात हिंदू संगठन आक्रोशित हो उठे थे। भीड़ ने कोतवाली का घेराव किया और आसपास की दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। देर रात तक यहां बवाल होता रहा। इससे यहां पहुंचे पर्यटक भयभीत हो गए।

90 फीसदी पर्यटक वापस लौटे

गुरुवार सुबह से पर्यटकों ने नैनीताल छोड़कर वापस या भीमताल की ओर के होटलों में जाना शुरू कर दिया। नैनीताल होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय बिष्ट ने बताया कि लगभग 90 फीसदी पर्यटक या तो वापस लौट गए या उन्होंने एडवांस बुकिंग निरस्त करवा दी हैं।

झील में दिनभर नहीं चलीं नावें

बिष्ट ने कहा कि कुछ दिन तक और तनावपूर्ण माहौल रहा तो आगामी पूरा सीजन खतरे में पड़ जाएगा जिसका इंतजार यहां के पर्यटन कारोबारी साल भर से कर रहे थे।

सस्ता हुआ कॉमर्शियल गैस सिलेंडर

नई दिल्ली

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने आज 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर को सस्ता कर दिया। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के गैस सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गैस की कीमत तय करने के लिए हर महीने की शुरूआत में होने वाले रिवीजन के बाद कॉमर्शियल गैस की कीमतों में आज 14.50 रुपये से लेकर 17 रुपये प्रति सिलेंडर तक की कमी की गई है। दूसरे महीने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की है। कीमत में की गई कटौती के बाद अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के लिए 1,747.50 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा, जबकि अप्रैल के महीने में इस सिलेंडर के लिए 1,762 रुपये और उसके पहले मार्च के महीने में 1,803 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। इस तरह पिछले दो महीने में 19 किलो वाले एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में 55.50 रुपये की और एक महीने में 14.50 रुपये की कटौती हुई है।

युवा सीएम हैं योगी, इनके शासन में यूपी का विकास शोध का विषय: धनखड़

लखनऊ

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर सराहना करते हुए योगी को 'युवा मुख्यमंत्री' करार दिया। उन्होंने कहा कि जब आपसे उम्र में बड़े लोग खुद को युवा कहते हैं, तो आप निःसंदेह युवा मुख्यमंत्री हैं। आप आठ साल बेमिसाल, यूपी के नायक हैं। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को विश्व में अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक लोगों का आना सदियों तक याद रखा जाएगा। यह कार्य पूरे विश्व में कभी संपन्न नहीं हुआ। आप उस आयोजन के सारथी हैं। उन्होंने कहा कि बीते आठ साल में हुआ यूपी का विकास शोध का विषय है। उप राष्ट्रपति गुरुवार को राजधानी स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की आत्मकथा 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन करने पहुंचे थे। धनखड़ ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति की चर्चा करते हुए कहा कि साढ़े आठ साल में बिना कोई टैक्स लगाए 12.5 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था को करीब 30 लाख करोड़ तक पहुंचाना, अपने आप में एक शोध का विषय है। प्रति व्यक्ति आय में यूपी ने जबरदस्त छलांग लगाई है।

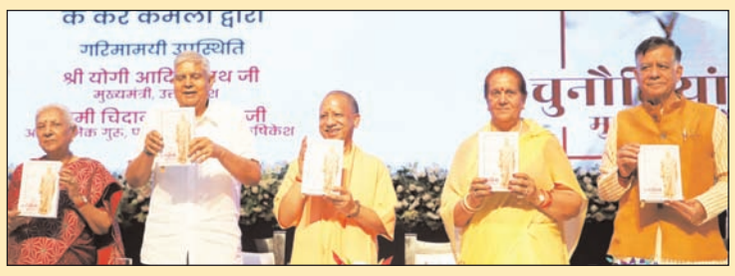

उन्होंने प्रदेश में हुए बुनियादी ढांचे के विकास की तारीफ करते हुए कहा कि भारत गणतंत्र के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे यूपी के पास हैं। दुनिया के कुछ ही देशों में मेट्रो है, लेकिन यूपी के छह शहरों में मेट्रो रेल सेवा है और यह देश में सर्वाधिक है। इसके अलावा 16 एयरपोर्ट, 4 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे यूपी में हैं। जेवर एयरपोर्ट का दुनिया इंतजार कर रही है, क्योंकि जेवर तो जेवर ही होता है।

मुख्यमंत्री के सामने आई होंगी कितनी ही चुनौतियां, ये वही जानते होंगे

उप राष्ट्रपति ने योगी आदित्यनाथ के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि चुनौती से पलायन करना या उदासीन रवैया रखना कायरता की निशानी है और कायरता का कोई अंश यूपी के मुख्यमंत्री में नहीं है, इसमें कोई मेडिकल जांच की आवश्यकता नहीं है। धनखड़ ने कानून-व्यवस्था में सुधार की सराहना करते हुए कहा कि आठ साल पहले यूपी की परिभाषा अलग थी। आज कानून-व्यवस्था उच्चतम स्तर पर है। इसे स्थापित करने में कितनी चुनौतियां आई होंगी, ये मुख्यमंत्री जानते होंगे, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार किया और नतीजा आज सबके सामने है।

उप राष्ट्रपति ने संवैधानिक पदों की गरिमा पर जोर देते हुए कहा कि हमारे संविधान में दो पद सुप्रीम हैं, राष्ट्रपति और राज्यपाल। ये संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और समर्थन करने वाले पद हैं। ऐसे गरिमापूर्ण पदों पर टिप्पणियां करना मेरे हिसाब से चिंतन और सोच का विषय है। उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और कहा कि सभी संस्थाओं को अपनी सम्यक भूमिका निभानी चाहिए। धनखड़ ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे संवैधानिक संस्थानों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए।

जाति जनगणना...विपक्ष की टिप्पणी पर भाजपा का वार, कहा-कांग्रेस ने हमेशा जातिगत आरक्षण का विरोध किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट के राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने की मंजूरी पर विपक्ष की टिप्पणी पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से जातिगत आरक्षण के खिलाफ रही है। भाजपा मुख्यालय में आज संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कल जब यह फैसला लिया गया तो कुछ लोग भड़क गए। वे कह रहे थे सरकार उनकी है, सिस्टम हमारा है। उन्होंने सवाल किया कि 1951 में सरकार और सिस्टम पर किसका नियंत्रण था? उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि अगर देश में बाबा साहब और महात्मा गांधी नहीं होते, अगर नेहरू के मन में सामाजिक संवेदनशीलता का मुद्दा नहीं होता, अगर संविधान सभा से सलाह लेने की जरूरत नहीं होती, तो आज देश में आरक्षण नहीं होता। नेहरू जाति आधारित आरक्षण के कट्टर विरोधी थे। उन्होंने सवाल किया कि मंडल आयोग की रिपोर्ट को 10 साल तक कालकोठरी में किसने बंद रखा? वीपी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में भाजपा के सुझाव पर मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू की। राजीव गांधी ने भी ओबीसी आरक्षण के खिलाफ लंबे-लंबे भाषण दिए हैं। उनका सामाजिक न्याय उनके परिवारों के लिए न्याय तक सीमित है, उनसे हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? कांग्रेस हमेशा से देश के वंचित, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों के खिलाफ रही है। इसीलिए आज उनका पाखंड

दिख रहा है।उन्होंने कहा कि कल एक बार फिर इस देश की जनता ने सच्ची नीयत और खोखली नारेबाजी में फर्क देख लिया। लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया जातिगत जनगणना का फैसला सामाजिक न्याय के लिए एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता का एक बहुत बड़ा कदम है। केंद्रीयमंत्री प्रधान ने कहा कि ये फैसला एकाएक नहीं लिया गया। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास इस सरकार का सैद्धांतिक और दार्शनिक मत रहा है। हमारे सारे कार्यक्रमों की, योजनाओं का मूल लक्ष्य सामाजिक न्याय ही रहा है। समाज के सभी वर्गों तक लाभ, सुविधा, सहूलियत वैज्ञानिक तरीके से पहुंचे ये हमारा लक्ष्य रहा है। उन्होंने कहा कि 2021 में देश में जनगणना होनी थी, लेकिन कल राजनीतिक विषयों की समिति द्वारा आने वाली जनगणना में जातिगत जनगणना का सैद्धांतिक निर्णय लिया गया है। इसका संकेत देश के गृह मंत्री ने आज से लगभग 1 साल पहले दिया था। यह दर्शाता है कि भारत के वंचित वर्गों को उनका हक और अधिकार देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले 11 साल में जो अनुभव आया है, उससे आगे और अधिक स्पष्टता से करने के लिए ये ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश के सभी वर्गों के लोगों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस फैसले का स्वागत किया है।

ड़ाबाजार अग्निकांड : होटल मालिक और मैनेजर गिरफ्तार, मरने वालों की संख्या हुई 15

एजेंसी

कोलकाता । बड़ाबाजार के मछुआ बाजार इलाके में मंगलवार शाम हुए भीषण अग्निकांड मामले में पुलिस ने होटल मालिक और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार सुबह आकाश चावला और गौरव कपूर को हिरासत में लिया गया। दोनों को होटल में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस अग्निकांड में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है।घटना मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे की है, जब मछुआ बाजार फलपट्टी स्थित ऋतुराज होटल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर दमकल की 10 गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाने

का अभियान शुरू किया। करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकलकर्मियों ने हाइड्रोलिक लैडर की मदद से होटल में फंसे 25 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, लेकिन 15 लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी।बताया गया है कि होटल में करीब 42 कमरे थे और ज्यादातर कमरों में खिड़कियां नहीं थीं, जिससे धुएं के कारण दम घुटने की समस्या और बढ़ गई। इस कारण होटल में ठहरे लोग आग के दौरान बाहर निकल नहीं सके और दमकलकर्मियों को भी अंदर घुसने में काफी परेशानी हुई।अग्निकांड के बाद से होटल मालिक आकाश चावला फरार था। पुलिस ने लगातार दबिश के बाद गुरुवार सुबह उसे और मैनेजर गौरव कपूर को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, होटल में फायर लाइसेंस समेत कई नियमों का उल्लंघन किया गया था। प्रशासन ने मामले की जांच के लिए कोलकाता नगर निगम के कमिश्नर की अगुवाई में एक जांच कमेटी गठित कर दी है, जो यह पता लगाएगी कि आखिर होटल में आग कैसे लगी और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। मृतकों में से अभी तक दो लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उनकी शिनाख्त की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि राज्य ने अपनी संस्कृति, उद्यमशीलता की भावना और गतिशीलता के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा,

राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर, गुजरात के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। राज्य ने अपनी संस्कृति, उद्यमशीलता की भावना और गतिशीलता के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। गुजरात के लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूता रहे।उल्लेखनीय है कि गुजरात स्थापना दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है, क्योंकि 1 मई 1960 को गुजरात राज्य का गठन हुआ था। यह दिन बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम के तहत हुआ था, जिसके तहत बॉम्बे राज्य को दो अलग-अलग राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र में विभाजित किया गया था।

छत्तीसगढ़ क्रिश्चन फोरम प्रमुख अरुण पन्नालाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, पहलगाम हमले में बलिदान पर्यटकों के नामों की गलत सूची वायरल करने का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिश्चन फोरम के प्रमुख अरुण पन्नालाल के खिलाफ राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बलिदान पर्यटकों के नामों की गलत सूची सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। पोस्ट में अरुण पन्नालाल ने 15 मृतकों के नाम मुस्लिम धर्म मानने वालों यानी मुस्लिमों के बताए थे । बाद में पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि अरुण पन्नालाल के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने, अफवाह फैलाने और आईटी

एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है । विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पहले आजाद चौक थाना और फिर अरुण पन्नालाल के घर का घेराव किया। दोनों संगठनों ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया। संगठनों ने अरुण पन्नालाल के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए आजाद चौक थाने और उनके घर का घेराव किया था। कार्यकर्ताओं ने पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी थी कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, तो वे जयस्तंभ चौक पर सार्वजनिक मुंडन कराएंगे। अरुण पन्नालाल ने मामले के तूल पकड़ने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई पेश करते हुए माफी भी मांगी। उन्होंने लिखा था, असावधानी के कारण मेरा एक फेसबुक पोस्ट मेरे विचार के विपरीत प्रतीत हो रहा था। जिससे मैं खुद सहमत नहीं हूं। इस गलतफहमी को दूर कर लिया गया है। आहत परिवार ने मेरी माफी को स्वीकार भी कर लिया है। मैं इस पोस्ट को डिलीट भी कर चुका हूं। मामला शांत हो गया है। आजाद चौक थाने और मेरे घर पर जहां महिलाए भी रहती हैं, वहीं पुरुषों द्वारा अर्धनग्न प्रदर्शन, भारतीय संस्कृति के अनुसार नहीं है। लोक शांति को भंग भी करता है।

पीएम मोदी ने किया वेव्स समिट का उद्घाटन, बोले- 'ये एक वेब है- संस्कृति की, रचनात्मकता की'

'वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर निर्माता का है।'

'आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी।'

एजेंसी

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पहले विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहां मुंबई में 100 से अधिक देशों के कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक ईको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम मोदी ने आगे कहा- 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट यानी वेव्स.. ये सिर्फ एक ऐक्रोनिम नहीं है। ये एक वेब है- संस्कृति की, रचनात्मकता की। वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर

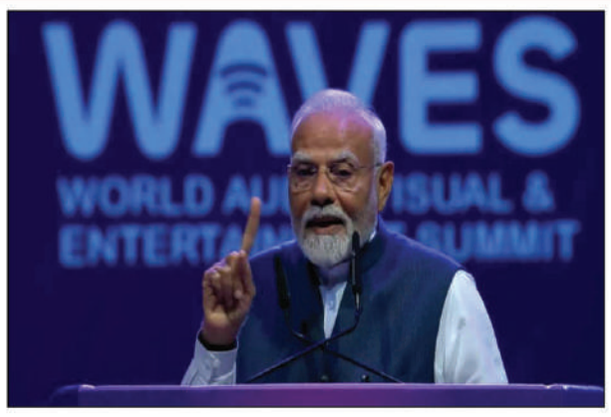

कलाकार, हर निर्माता का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नई योजना के साथ रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा। आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है।' उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा- 'आज वेव्स में इस मंच पर हमने भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की रचनात्मकता, सृजनात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग की बातें उठती थीं। लाल किले से मैंने 'सबका प्रयास' की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा।'वेव्स समिट 2025 में, पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा की 5 दिग्गज हस्तियों- गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट भी लॉन्च किया।

कांग्रेस के डीएनए में ही पिछड़ों का विरोध करना: शिवराज सिंह चौहान

वैज्ञानिक ढंग से तैयार की जातिगत जनगणना के आंकड़े सटीक योजनाओं को बनाने में मदद करेंगे।

एजेंसी

भोपाल । केंद्र सरकार द्वारा देश में जाति-जनगणना कराने के फैसले के बाद इंडी अलांयस अपनी पीठ थपथपा रहा है। क्रेडिट लेने की होड़ के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के डीएनए में पिछड़ों का विरोध करना ही रहा है। गुरुवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी को पहले इस बारे में जनता को जवाब देना चाहिए कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो जाति-जनगणना क्यों नहीं कराई गई। पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक इनकी सरकार रही। लेकिन, जाति-जनगणना क्यों नहीं कराई गई। पूर्व पीएम पंडित

नेहरू ने तो जाति के आधार पर आरक्षण को ही गलत बताया था। पिछड़ों का विरोध करना कांग्रेस के डीएनए में है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पहले कांग्रेस जवाब दें कि जब उनकी सरकार थी तो उन्होंने जाति-जनगणना क्यों नहीं की? सत्ता में थे तो जाति-जनगणना नहीं कराएंगे, लेकिन जब विपक्ष में हैं तो इसकी मांग करेंगे। कांग्रेस पर तो यह मुहावरा सटीक बैठता है- हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और।

जाति-जनगणना पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी जो दावा कर रहे हैं, पहले वह यह बताएं कि उनकी सरकार थी तो उन्होंने जाति-जनगणना क्यों नहीं करवाई। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि जाति-जनगणना कराने के लिए मैं पीएम मोदी का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने सही समय पर देशहित में सभी जातियों के विकास और कल्याण के लिए पारदर्शी तरीके से जातिगत जनगणना का फैसला लिया है। कुछ राज्यों में इसे लेकर सर्वे हुआ था और कहीं-कहीं भ्रम भी फैलाया गया। इसे लेकर बवंडर भी मचा। समाज के हर वर्ग के कल्याण की योजनाओं को बनाने के लिए सही डेटा की जरूरत है।

सामाजिक न्याय का तकाजा था जातीय जनगणना, आजादी के बाद भी कराया जा सकता था : जीतन राम मांझी

एजेंसी

गया । केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आगामी जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय का तकाजा जातीय जनगणना थी। उन्होंने कहा कि यह जातीय जनगणना आजादी के बाद भी कराई जा सकती थी, लेकिन किसी सरकार ने ऐसा नहीं किया। गया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना कराने के लिए विभिन्न पार्टियों द्वारा आज नहीं, बहुत पहले से मांग की जाती रही है। एक साल पहले भी बिहार में सर्वदलीय बैठक कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसको लेकर मुलाकात की गई थी, तब कहा गया था कि इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि राज्य चाहे तो जातीय जनगणना करा सकता है। उसके बाद बिहार में जातीय जनगणना हुई। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया गया। जातीय जनगणना के बाद जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी भागीदारी होगी। सभी क्षेत्रों में, चाहे वह खेलकूद हो, शिक्षा हो, राजनीति

हो, सभी मुद्दों पर उन्हें लाभ मिलेगा। उन्होंने इस निर्णय को सराहनीय बताते हुए कहा कि यह सामाजिक न्याय का तकाजा था। विपक्ष को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग केवल चिल्ला रहे थे। आज प्रधानमंत्री मोदी ने निर्णय लिया है। इससे हम सभी सामाजिक न्याय की ओर बढ़ेंगे। विपक्ष द्वारा इसका क्रेडिट लिए जाने पर उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भी देश में सरकार थी, लेकिन वह क्यों नहीं करा पाए। अब कह रहे हैं कि 30 साल से मांग थी। तो क्या उनकी सरकार नहीं थी? वे लोग केवल चिल्लाते हैं, सभी काम प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। विपक्ष केवल राजनीति करता है। केवल वे काम का श्रेय लेने का झूठा प्रयास करते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जातीय जनगणना पर विपक्ष के क्रेडिट लेने पर कहा कि धन्य हैं पीएम नरेंद्र मोदी, जिन्होंने लालू यादव और कांग्रेस के वर्षों के पाप को धोने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह वही लालू यादव हैं, जिन्होंने मंडल कमीशन को लागू नहीं होने दिया था। कांग्रेस के पल्लू में बंधे रहे। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने ओबीसी को सरकारी कानून के तहत मजबूत किया तथा सवर्ण गरीब को भी आरक्षण दिया।

अजमेर के होटल में भीषण आग, चार लोगों की मौत

एजेंसी

अजमेर।अजमेर के डिग्गी बाजार में गुरुवार सुबह नाज होटल की आग ने न सिर्फ चार जिंदगियां लील लीं, बल्कि एक खौफनाक मंजर शहर के सीने पर छोड़ गई। सुबह 8 बजे जैसे ही बाजार की हलचल शुरू हो रही थी, होटल की एक मंजिल से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को घेर लिया। पांच मंजिला इमारत में फंसे लोगों की चीखें, खिड़कियों से बाहर झांकती उम्मीदें और जिंदगी को बचाने की नाकाम कोशिशें–यह मंजर दिल दहला देने वाला था।

मौत के मुंह से छलांग

होटल की चौथी मंजिल पर फंसे एक युवक ने आग से बचने के लिए जो फैसला किया, वह जिंदगी और मौत के बीच की एक पतली रेखा पर चलना था। उसने खुद चौथी मंजिल से दूसरी बिल्डिंग पर छलांग लगा दी। नीचे गली में गिरते ही वह बेसुध हो गया। सिर में गंभीर चोटें आईं लेकिन

जान बच गई। इसी मंजिल से एक महिला ने अपने डेढ़ साल के मासूम को खिड़की से नीचे फेंका, जहां मौजूद लोगों ने उसे लपक लिया। उस मां के दिल पर क्या बीती होगी, इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता। जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया के अनुसार आठ लोग अस्पताल लाए गए थे। इनमें से चार की मौत हो चुकी है। मृतकों में एक चार साल का मासूम भी शामिल है। बाकी चार गंभीर रूप से झुलसे हैं, जिनमें से एक व्यक्ति 90 फीसदी तक जल चुका है। बाकी तीन 50 से 60 फीसदी तक झुलसे हैं। जान गंवाने वालों में दिल्ली के मोती नगर निवासी मोहम्मद जाहिद (40), एक 30 साल की महिला, 20 साल का युवक और एक 40 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। होटल तक पहुंचने वाला रास्ता इतना संकरा था कि दमकल की गाड़ियों को पास तक आने में दिक्कत हुई। आग तेजी से फैली और लोगों को बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम को पसीना आ गया। पुलिस और दमकल कर्मियों की तबीयत तक बिगड़ गई। मौके पर एएसपी हिमांशु जांगिड़ और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

भारत की पहलगाम हमले पर अमेरिका से चर्चा, जयशंकर ने मार्को रुबियो से कहा- गुनहगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पहलगाम आतंकी हमले पर अमेरिका से चर्चा हुई है। भारत ने पहलगाम हमले के गुनहगारों, समर्थकों और हमले की योजना बनाने वालों को न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई है। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है।विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आज सुबह एक्स पर लिखा, कल अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके अपराधियों, समर्थकों और योजनाकारों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। सनद रहे इस हमले के बाद देश में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा है। निर्दोष लोगों की हत्या से लोग आहत हैं। देश में पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुनहगारों को कठोरतम दंड दिलाकर पहलगाम पीड़ितों को न्याय दिलाने का संकल्प लिया है।

हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक दंडात्मक उपायों की घोषणा की है। इसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। भारत की इस घोषणा से आतंकवादियों के गढ़ के रूप में कुख्यात पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मच गई है।

'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक लोकतंत्र, संघर्ष, आत्मविश्वास और नारी शक्ति का समग्र चित्रण : योगी

'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के हर उस पहलू को उजागर करती है'

एजेंसी

लखनऊ । पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के विमोचन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के संघर्षमय जीवन की शून्य से शिखर तक की प्रेरणादायक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यह पुस्तक नवपीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ की तरह है। सीएम योगी ने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सबसे बड़े राज्य की राज्यपाल बनने तक की यात्रा आसान नहीं थी। यह पुस्तक बताती है कि जब कोई महिला सामाजिक बंधनों, संसाधनों की कमी और परिस्थितियों की चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ आगे

बढ़ती है, तो वह समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाती है। 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के हर उस पहलू को उजागर करती है जो संघर्षों के बाद सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी कहती है। उन्होंने इसके लेखक विनय जोशी, अशोक देसाई और पंकज जानी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस ग्रंथ को 14 अध्यायों में उस तरह रचा है, जैसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्न। हम अक्सर शिखर देखते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि उस शिखर की नींव कितने संघर्षों से बनी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी व्यक्ति यदि कठिनाइयों का सामना हिम्मत और संकल्प के साथ करता है तो वह दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति को कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने वाला बताते हुए कहा कि महाकुंभ के समय भी उपराष्ट्रपति की उपस्थिति ने हमें नई प्रेरणा दी थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उपराष्ट्रपति के मार्गदर्शन में महाकुंभ को वैश्विक पहचान मिली। सीएम योगी ने लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को जरूरी बताते हुए कहा कि 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' जैसी रचनाएं लोकतंत्र को मजबूत करने वाली होती हैं। यह पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र, संघर्ष, आत्मविश्वास और नारी शक्ति का समग्र चित्रण है।

जातिगत जनगणना पर केंद्र के फैसले का कांग्रेस ने किया समर्थन, राहुल बोले- टाइम लाइन बताए सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना कराने के कैबिनेट निर्णय का स्वागत किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी टाइम लाइन भी बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का जो भी मॉडल हो, वह जनोन्मुखी होना चाहिए। तेलंगाना सरकार के जातिगत जनगणना मॉडल को बेहतरीन बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो वहां की कांग्रेस सरकार इस मामले में केंद्र सरकार की मदद करेगी। राहुल गांधी ने आज शाम यहां कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि जातिगत जनगणना कांग्रेस का मुद्दा था। संसद में हमने कहा था कि हम जातिगत जनगणना करवा कर छोड़ेंगे और आरक्षण के लिए अभी निर्धारित 50 प्रतिशत की कैप भी हटवाएंगे। अब 11 साल बाद केंद्र की मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को हरी झंडी दी है तो हम इसका समर्थन करते हैं लेकिन हम टाइम लाइन चाहते हैं। इसके लिए बजट आवंटन किया जाना चाहिए। राहुल ने कहा कि जातिगत जनगणना बिहार और तेलंगाना में हुई है लेकिन दोनों में काफी अंतर है। तेलंगाना का आदर्श मॉडल है। हम इस मामले में इस मॉडल के जरिये केंद्र सरकार की मदद कर सकते हैं।

मंत्री सिरसा ने राजौरी गार्डन में पुनर्विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं की बहाली के लिए अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पर्यावरण एवं वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में पुनर्विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस परियोजना में सार्वजनिक शौचालयों का नवीनीकरण, नालियों का पुनर्निर्माण और पार्कों का कायाकल्प शामिल है। इसके तहत रघुबीर नगर स्थित टी-हट्स में सुलभ शौचालय का जीर्णोद्धार, श्याम नगर के एन- ब्लॉक में ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और चौखंडी स्थित जे.जे. कॉलोनी के बी ब्लॉक में पार्क का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्थानीय निवासियों के लिए स्वच्छता और जल निकासी समेत अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को और बेहतर बनाना है। इस अवसर पर स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, पिछली सरकार ने राजौरी गार्डन समेत पूरी दिल्ली में अव्यवस्था फैलाने का काम किया। हम दिल्ली में लगे कूड़े के ढेरों को बारी-बारी से साफ कर रहे हैं। झुग्गियों में रहने वालों को शौचालय मिल चुके हैं और अब हम उन्हें पक्के मकान देने के लिए काम कर रहे हैं। अवैध ढाबा संचालकों को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था।

महापौर ने एमसीडी के पार्कों की समस्याओं पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पार्कों की बेहतर देखरेख और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर राजा इकबाल सिंह ने उप-महापौर एवं वरिष्ठ पार्षदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में निगम के विभिन्न पार्कों से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर कार्यालय में आयोजित इस बैठक में प्रमुख रूप से टूटी हुई चारदीवारी, जर्जर पगडंडियां, अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सूखे पत्तों का ढेर, माली की कमी, वन विभाग से छंटाई की अनुमति में देरी तथा पानी के पंपों की खराब स्थिति जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि पार्कों का रखरखाव जनहित का विषय है, हम इन समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे। पार्क नागरिकों के मनोरंजन, स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें स्वच्छ, हरा-भरा और सुरक्षित बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। महापौर ने अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से मरम्मत कार्यों और नियमित देखरेख के लिए कार्य योजना तैयार कर लागू करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वन विभाग के साथ समन्वय बनाकर पेड़-पौधों की छंटाई से संबंधित अनुमतियों को शीघ्र प्राप्त करने पर भी जोर दिया गया।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के आदर्श नगर इलाके में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मरने वाले की पहचान हेमंत उर्फ हैप्पी के रूप में हुई। वह परिवार के साथ आजादपुर में रहता था। पुलिस अधिकारी के अनुसार जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि हेमंत आदर्श नगर थाने का घोषित बदमाश था। आर्दश नगर थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित की पहचान रोहित के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस रोहित से पूछताछ कर रही है। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि आदर्श नगर थाना पुलिस को मंगलवार देर रात अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक युवक को चाकू मारा गया है। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। जांच में मरने वाले की जांच हेमंत के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला कि हेमंत अपने दो दोस्त राहुल और श्याम के साथ रेलवे लाइन से आजादपुर गांव जा रहा था।

सीआर पाटिल ने जलज पहल की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भारतीय वन्यजीव संस्थान की आजीविका-केंद्रित परियोजना जलज की प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तत्वावधान में जलज कार्यक्रम सरकार के अर्थ गंगा विजन का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका मकसद लोगों को स्थायी आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से नदियों से जोड़ना है। आजीविका पर ध्यान देने के साथ-साथ, इस परियोजना का उद्देश्य जलीय जैव विविधता संरक्षण के प्रति सामाजिक जागरूकता पैदा करना है।इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि संरक्षण के साथ-साथ जलज का उद्देश्य आर्थिक अवसर पैदा करना और नदी कायाकल्प प्रयासों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना है। जलज ने गंगा बेसिन में इको-टूरिज्म, टिकाऊ खेती, कौशल विकास और कारीगर उत्पादन को बढ़ावा देकर नदी संरक्षण को आजीविका सृजन से सफलतापूर्वक जोड़ा है। इस पहल का उद्देश्य डॉल्फिन सफारी, होमस्टे, आजीविका केंद्र और जागरूकता और बिक्री केंद्र आदि जैसे विभिन्न

मॉडलों के साथ 75 जलज केंद्र स्थापित करना है। जलज ने नौ राज्यों के 42 जिलों में 5,000 से अधिक नौका विहार समुदाय के सदस्यों को सशक्त बनाया है और 2,400 से अधिक महिलाओं का समर्थन किया है। समीक्षा में यह सामने आया कि जलज का उद्देश्य नदी और समुदायों के बीच सहजीवी संबंध बनाना है और लोगों को संरक्षित गंगा नदी के मूल्यों के बारे में शिक्षित करने में मदद करना है। समीक्षा में पाया गया कि जलज ने यूट्यूब चैनल सहित डिजिटल और प्रिंट मीडिया के माध्यम से 263 प्रशिक्षण कार्यक्रम और जन संपर्क प्रयास आयोजित किए हैं। सीआर पाटिल ने जलज की आजीविका क्षमता को और बढ़ाने के प्रयासों की समीक्षा की और समुदायों को नदी पारिस्थितिकी प्रणालियों से जोड़ने वाले सेतु के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया, जिससे नदी संरक्षण आर्थिक रूप से फायदेमंद प्रयास बन गया। उन्होंने जलज के तहत विकसित किए गए अभिनव मॉडलों की सराहना की और गोदावरी, पेरियार, पम्पा और बराक जैसी अन्य प्रमुख नदी घाटियों में सफल प्रथाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिनके पारिस्थितिक आकलन की भी बैठक में समीक्षा की गई। संपर्क और जागरूकता को और मजबूत करने के लिए सीआर पाटिल द्वारा एक समर्पित जलज सूचनात्मक वेबसाइट शुरू की गई। वेबसाइट एक व्यापक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करती है, जो होमस्टे, डॉल्फिन सफारी, आजीविका प्रशिक्षण केंद्र और जागरूकता और बिक्री केंद्रों जैसे विभिन्न जलज मॉडलों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। वेबसाइट पर गंगा प्रहरियों द्वारा तैयार किए गए पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। इसका उद्देश्य खतरे में पड़ी जलीय जैव विविधता, जिसमें गंगा नदी डॉल्फिन, मगरमच्छ, मीठे पानी के कछुए और जलीय पक्षी शामिल हैं, उनके बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करना है।

सामाजिक न्याय के लिए संकल्पित मोदी सरकार ने जाति जनगणना पर ऐतिहासिक निर्णय लिया है: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अगली जनगणना में जातिगत गणना कराए जाने के केंद्र सरकार के फैसले पर कहा कि सामाजिक न्याय के लिए संकल्पित मोदी सरकार ने जाति जनगणना पर ऐतिहासिक निर्णय लिया है।अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, सामाजिक न्याय के लिए संकल्पित मोदी सरकार ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हुई सीसीपीए की बैठक में आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लेकर सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया है।उन्होंने लिखा, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए जातिगत जनगणना का विरोध किया और विपक्ष में रहते हुए इस पर राजनीति की। इस निर्णय से आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े सभी वर्गों का सशक्तीकरण होगा, समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और यह वंचितों की प्रगति के नए मार्ग प्रशस्त करेगा।

जातिगत जनगणना को मिली मंजूरी, भाजपा ने फैसले को बताया ऐतिहासिक

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जातिगत जनगणना को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार के इस फैसले का भारतीय जनता पार्टी ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने जातिगत जनगणना को भी सम्मिलित कराने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। ये निर्णय आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्तर पर पिछड़ी हुई जातियों को मुख्यधारा में लाने तथा लंबे समय से अपने हक और अधिकार से अछूते लोगों को उनका सम्मान वापस लौटाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।कांग्रेस ने लंबे समय तक जातियों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने तथा उन्हें वोटबैंक का साधन बनाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ को सिद्ध किया है। सरकार में रहते हुए कांग्रेस ने सदैव जाति जनगणना का विरोध किया, जिसका प्रमाण है कि स्वतंत्रता के

बाद देश में आजतक जातिगत जनगणना नहीं हुई है। मोदी सरकार का ये अभूतपूर्व निर्णय सामाजिक समरसता के विस्तार के साथ ही हर वर्ग के उत्थान एवं पिछड़े तबके के सम्मान को बढ़ाने में मील का पत्थर बनेगा। सर्व समाज के कल्याण को लेकर इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताया।

रेलवे स्टेशनों पर ट्राली-स्टाल लगाने वाले वेंडरों ने सरकार से कीमतें बढ़ाने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली देशभर के रेलवे स्टेशनों पर ट्राली-स्टाल लगाकर जीवनयापन करने वाले हजारों लाइसेंसी वेंडरों ने सरकार से 2012 में तय किये गए रेट (कीमत) में इजाफा किये जाने की मांग की। साथ ही इन लोगों ने सरकार से तब तक लाइसेंसी फीस में बढ़ोतरी किये जाने पर रोक लगाये जाने की मांग कि जब तक 13 वर्ष पुराने रेट लिस्ट में बढ़ोतरी नहीं की जाती है। इन लोगों का कहना है कि रेलवे ने 2012 में जहां वार्षिक लाइसेंस फीस 10-15 हजार के बीच वसूलती थी उसे अब बढ़ाकर डेढ़ लाख कर दिया गया है, जबकि चाय (पांच रुपये), समोसा (सात रुपये) और 80 ग्राम पकौड़ का 12 रुपये है। जबकि इस दौरान महंगाई आसमान छू रही है और रेलवे हम ट्राली-स्टाल वालों से 13 साल पुराने रेट पर ही सामान बेचने को कह रही है। देश भर के विभिन्न स्टेशनों पर ट्राली-स्टाल लगाने वाले यह लोग आज यहां खंडेलवाल भवन में अखिल भारतीय रेलवे खान-पान लाइसेंन्सीज वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित आम सभा मे अपनी बात रखी। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता, महासचिव एमए लारी, कोषाध्यक्ष प्रवीन शर्मा, रमेश गुलाटी, चंद्रशेखर समेत बड़ी संख्या में लाइसेंसी ट्राली-स्टाल संचालक उपस्थिति थे। इस मौके पर रवीन्द्र गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा 13 साल पुराने रेट लिस्ट में बढ़ोतरी नहीं किये जाने से रेलवे को हर वर्ष करोड़ो रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं दूसरी ओर इतने कम कीमत पर कारोबार करने वाले ट्राली-स्टाल वालों का अब गुजारा होना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान

आईआरसीटीसी के सामानों की कीमतों में चार से पांच बार बढ़ोतरी हो चुकी है, लेकिन रेलवे ने अपने ट्राली-स्टाल संचालकों के रेट में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने कहा कि रेलवे कि हम लोगों को उजाड़ने का खेल खेल रही है। इसके खिलाफ हम सभी को मिलकर लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि रेलवे हमसे कहती है कि एग्रीमेंट में गलतियां है तो एग्रीमेंट तो रेलवे ही बनाती है और हम लोगों से सिर्फ साइन करवा लिया जाता है। हमे पढ़ने तक नहीं दिया जाता है।

भारत-पाकिस्तान के डीजीएमओ ने हॉटलाइन पर की बातचीत, संघर्ष विराम उल्लंघन पर चेताया

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर लगातार संघर्ष विराम उल्लंघन पर भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने हॉटलाइन पर बातचीत की है। भारत ने एलओसी पर बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन पर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। पाकिस्तानी सेना की ओर से लगातार की जा रही गोलीबारी का भारत ने प्रभावी जवाब दिया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी सैनिक जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर %बिना उकसावे% के गोलीबारी करके संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहे हैं। भारतीय सेना ने 26-27 अप्रैल की रात नियंत्रण रेखा पर तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना की

गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इसके बाद 27-28 अप्रैल की रात जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की फौज 22 अप्रैल के बाद रात के वक्त गोलीबारी कर भारतीय सेना को उकसाने की कार्रवाई कर रही है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार 29-30 अप्रैल की रात पाकिस्तान सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के सामने नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के गोलीबारी की। भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से और उचित तरीके से जवाब दिया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान सेना की रात के समय की गई गोलीबारी का मकसद सीमा पर तनाव बढ़ाने के साथ ही भारतीय चौकियों को निशाना बनाना है।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने पर दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने मंगलवार रात को हॉटलाइन पर बातचीत करके अकारण गोलीबारी पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी। पहलगाम हमले के 8 दिन बाद पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर कई पोस्ट खाली कर दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने इन पोस्ट से झंडे भी हटा लिए हैं। कठुआ के पर्गवाल इलाके में ये पोस्ट खाली की गई हैं।-

एनडीएमसी शनिवार को शिकायत निवारण के लिए सुविधा शिविर का करेगी आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्रीय लोगों और सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए शनिवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन करेगी। इसमें लोगों से जुड़ी जानकारियां, सुविधा, सूचना और शिकायतों का समाधान एक ही जगह पर उपलब्ध होगा। इस दौरान अलग-अलग विभागों की ओर से सहायता डेस्क लगाए जाएंगे। एनडीएमसी का यह सुविधा शिविर जय सिंह रोड स्थित एनडीएमसी के कन्वेंशन सेंटर में सुबह 10:30 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस शिकायत निवारण सुविधा कैम्प में विभिन्न विभागों के हेल्पडेस्क सेवा उपयोगकर्ताओं, कर्मचारियों, आरडब्ल्यूए, एमटीए और एनडीएमसी के निवासियों की शिकायतों का निवारण और सुविधा प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस सुविधा कैम्प में नए बिजली कनेक्शन, डिस्कनेक्शन, लोड वृद्धि, कमी, नाम परिवर्तन, स्थानांतरण, संपत्ति कर, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, एनडीएमसी के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवा मामलों, जलभराव, स्वच्छता, अपशिष्ट निपटान, सड़क मरम्मत, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, बारात घर और पार्कों की बुकिंग और एनडीएमसी द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं से संबंधित शिकायतों का निवारण किया जाएगा। इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद ने एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक जन सुविधा पोर्टल भी लॉन्च किया है।

सुकांत मजूमदार ने पीएम-यूएसएचए के तहत बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने यहां आईसीएआर में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-यूएसएचए) के अंतर्गत बहु-विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. सुकांत मजूमदार ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका उद्देश्य भारत के छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के 64 से अधिक कुलपतियों की भागीदारी के साथ-साथ उच्च शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए राज्य अधिकारियों के साथ, राष्ट्रीय कार्यशाला केंद्र और राज्य सरकार के वित्तपोषण के सहयोग से एनईपी के विभिन्न तत्वों को सर्वोत्तम तरीके से लागू करने के तरीके पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगी। डॉ. मजूमदार ने कहा कि 35 विश्वविद्यालयों के लिए, मंत्रालय बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) घटकों के तहत 44 अनिवार्य गतिविधियों को लागू करने के लिए प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये प्रदान कर रहा है।

उन्होंने सभी से 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता और सहयोग के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया, जहां हर विश्वविद्यालय नवाचार, समावेश और वैश्विक उत्कृष्टता का केंद्र बन जाए। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी ने अपने भाषण में 21वीं सदी के लिए छात्रों को तैयार करने में एनईपी 2020 के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध के महत्व पर भी प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से अन्य संस्थानों से सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और अपनाने तथा उन्हें अपने विशिष्ट संदर्भ में दोहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण देश में तेजी से सुधार सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए मातृभाषा में शिक्षा और शिक्षण सामग्री की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मई में पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक रहने की संभावना: मौसम विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। मई के महीने में इस बार पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि मई के महीने में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, जहां सामान्य से कम अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। ऑनलाइन प्रेसवार्ता में मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि मई महीने के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। मई के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत तथा उससे सटे पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म हवाएं चलने की संभावना है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र तथा उससे सटे तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में गर्म हवाएं चलने वाले दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मई, 2025 के दौरान पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक (एलपीए का 109 प्रतिशत से अधिक) रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है, जहां सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मई 2025 के लिए हीटवेव का पूर्वानुमान सामान्य तौर पर मई के महीने में लगभग एक से तीनों दिनों तक उत्तरी मैदानी इलाकों, मध्य भारत और प्रायद्वीपीय भारत के आस-पास के इलाकों में हीटवेव चलती है। मई 2025 के लिए देश में हीटवेव दिनों की संख्या एक से 4 दिनों के रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के अधिकांश हिस्सों और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आस-पास के तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हीटवेव दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

दिल्ली से हज उड़ानें शुरू, केंद्रीय मंत्री किरेण रिजिजू ने पहले जत्थे के यात्रियों को विदा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हज यात्रा की उड़ानें शुरू हो गई हैं। हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी एयरलाइन की उड़ान संख्या एस.वी. 3079 से मदीना के लिए रवाना हुआ। हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर दिल्ली स्टेट हज कमेटी की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां हज यात्रियों को विदा करने के लिए केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेण रिजिजू मौजूद थे। उन्होंने हज यात्रियों का फूल माला से स्वागत कर के विदा किया। इस अवसर पर दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां और भारत में सऊदी दूतावास की ओर से जदी नाईफ अल रक्कास और भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव सीपीएस बक्शी भी मौजूद थे। दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने अल्पसंख्यक मंत्री का स्वागत किया और अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथि और हज यात्रियों को मुबारकबाद पेश की। इस अवसर पर किरेण रिजिजू ने सभी हज यात्रियों को संबोधित करते हुए सुखद हज यात्रा के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, अपनी एवं अपने मंत्रालय की ओर से शुभ कामनाएं व्यक्त की। दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी

अधिकारी अशफाक अहमद आरफी ने बताया कि 30 अप्रैल से 30 मई तक सऊदी एयरलाइंस की उड़ानें जारी रहेंगे। आज पहली उड़ान में कुल 399 हज यात्री और उनकी सहायता के लिए दो स्टेट हज इंस्पेक्टर भी मदीना के लिए रवाना हुए, जहां आठ दिनों तक ठहरने के बाद उन्हें मक्का भेजा जाएगा। इसके बाद मक्का में हज की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद जेद्दाह से उनकी वापसी होगी। आरफी के अनुसार गत वर्षों की उपेक्षा इस साल दिल्ली से दोनों चरणों में हज यात्रा हो रही है। प्रथम चरण में 30 अप्रैल से 15 मई तक सारी उड़ानें मदीना जाएंगी, जबकि दूसरे चरण में 16 मई से 30 मई तक सभी उड़ानें जेद्दाह के लिए प्रस्थान करेंगी। इस साल सउदी एयरलाइन की कुल 38 उड़ानों से दिल्ली एम्बरकेशन प्वाइंट से 16000 हज यात्री हज यात्रा के लिए रवाना होंगे। दिल्ली स्टेट हज कमेटी ने बाहर से आने वाले यात्रियों के ठहरने के लिए रामलीला मैदान में वतानुकूलित हज शिविर की व्यवस्था की है। हज कैम्प से एयरपोर्ट तक हाजियों को लेकर जाने के लिए नवतानुकूलित बसों की भी व्यवस्था की गई है।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने प्रसिद्ध मूर्तिकार पद्मश्री अद्वैत चरण गडनायक से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने पालिका केंद्र में पालिका परिषद अध्यक्ष केशव चंद्रा के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विशिष्ट मूर्तिकार अद्वैत चरण गडनायक से भेंट की। उन्होंने उन्हें राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त पद्मश्री सम्मान एवं कला क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि गडनायक की कृतियों ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित किया है। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, दांडी यात्रा स्मारक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा जैसे भव्य स्मारकों की रचना की है। उनके द्वारा बनाया गया मोनोलिथिक ग्रेनाइट से निर्मित 30 फीट ऊँचा राष्ट्रीय पुलिस स्मारक 21 अक्टूबर 2018 को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। चहल ने बताया कि परिषद द्वारा अर्बन आर्ट्स एंड कल्चर फोरम का गठन किया जा चुका है। यह मंच दृश्य एवं प्रदर्शनकारी कलाओं को सशक्त करने, नवोदित कलाकारों को मंच देने और स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सक्रिय सलाहकारी निकाय के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास भी, विरासत भी और एक भारत, श्रेष्ठ भारत जैसे विजन को मूर्त रूप देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। %विकसित भारत ञ2047% के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए एनडीएमसी क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और कलात्मक रूप से जीवंत बनाना परिषद की प्राथमिकताओं में है। चहल ने बताया कि एनडीएमसी क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों को भारतीय कला-संस्कृति से जोड़ने के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं, चित्रकला एवं शिल्प प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

संपादक की कलम से

राजनैतिक हिसाब-किताब फिर कभी, अभी एकजुटता दिखाने की जरूरत

अब भाजपा नेतृत्व को भी अपने नेताओं, कार्यकताओं को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए। राजनैतिक हिसाब-किताब के लिए काफी वक्त मिल जाएगा, लेकिन ये समय देश के लिए एकजुट होकर खड़े रहने का है। समाज के बाकी तबकों को भी इस पर विचार करना चाहिए कि नफरत और हिंसा की घटनाओं को आखिर कैसे रोका जा सकता है।

उत्तराखंड के मसूरी में कश्मीरी शॉल बेचने वाले दो लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें चले जाने कहा गया, इस घटना का वीडियो बनाया गया, जिसमें पीड़ितों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस घटना के बाद कम से कम 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता मसूरी छोड़ कर चले गए, जबकि वे बरसों से यहां थे।....

'ये विश्व पाकिस्तान का नहीं है। पाकिस्तान के एजेंट इसी चौराहे पर खड़े होकर सुन रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि 'अब तुम भोपाल में हंगामा करके दिखाओ। आरिफ मसूद, चोर और उसके साथी जो हमारे धर्म का विरोध करते हैं, उन्हें हम नहीं छोड़ेंगेज यहीं पर निपट लेंगे।'... ये बयान मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य कृष्णा घाडगे ने दिया। जिन आरिफ मसूद का जिक्र उन्होंने किया, वे कांग्रेस के विधायक हैं। हालांकि श्री घाडगे का कहना है कि उनकी रैली पाकिस्तान के खिलाफ थी और मसूद के फैन क्लब ने उनके बारे में झूठी शिकायत दर्ज कराई है।...

मंगलुरु में एक क्रिकेट मैच के दौरान 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के कथित नारे लगाने पर 25 से अधिक लोगों के एक समूह ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी...। 27 अप्रैल को दिन के करीब 3 बजे यह घटना हुई, जिसमें भीड़ लाठियों से पीड़ित को पीटती रही और उसे मार डाला गया...।

प.बंगाल में एक शहर में व्यस्त मार्ग पर पाकिस्तान के झंडे का स्टीकर चिपकाया गया, ताकि राहगीरों के पैर उस पर पड़ते रहे...कुछ जगहों पर पाकिस्तनी झंडे को जलाने की कोशिश भी की गई...।

अलीगढ़ में सड़क पर पाकिस्तान का झंडा पड़ा देख 9वीं कक्षा के एक छात्र ने उसे हटाने के लिए उठाया, इस पर वहां मौजूद हिंदूवादी संगठन के कुछ कार्यकताओं ने छात्र को पकड़ लिया, छात्र पर आरोप लगे कि वो झंडे की 'हिफाजत' कर रहा है, उसने रोते हुए माफी मांगी और कहा कि वो ऐसा कुछ नहीं कर रहा था, लेकिन उस छात्र को आतंकवादी कहते हुए उससे पाकिस्तान के झंडे पर कील ठुकवाई गई और फिर पेशाब भी करवाई गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया गया है। ...

उपरोक्त तमाम दृष्टांत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद के हैं, जिसमें पाकिस्तान से बदला लेने को तत्पर देशभक्त नागरिक अपने ही साथी नागरिकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। इस प्रताड़ना का सबसे बड़ा आधार यही है कि पीड़ित व्यक्ति मुस्लिम है। देश में अल्पसंख्यकों पर इस किस्म के अत्याचार पहली बार नहीं हुए हैं।

लेकिन ऐसी घटनाओं का बार-बार होना और खासकर संवेदनशील वक्त में इनकी आवृत्ति बढ़ना न केवल देश की एकता के लिए खतरनाक है, बल्कि इस लिहाज से भी चिंताजनक है कि हम किस कदर कुंठाग्रस्त और हिंसक मनोवृत्ति वाले समाज में तब्दील हो चुके हैं। एक निर्वाचित विधायक से लेकर 9वीं कक्षा के छात्र तक किसी को भी हिंसा का डर दिखाया जा रहा है, तो क्या ये सभ्य समाज की निशानी मानी जाएगी। 9वीं कक्षा के छात्र से पाक झंडे पर पेशाब करवा कर और उसका वीडियो बनाकर क्या देशभक्ति का सबूत जुटाया जा रहा है।

वह किशोर बच्चा इस मानसिक यंत्रणा के बाद क्या लंबे वक्त तक सामान्य हो पाएगा। चंद उन्मादी लोगों ने उसे जीवन भर का दाग दे दिया है, जिसे न जाने कैसे मिटाया जा सकेगा।

पाकिस्तान के झंडे को कुचलकर या उसे उठाने वाले को सजा देकर या कश्मीर में हुए आतंकी हमले का बदला कश्मीरी लोगों पर उतारकर हम अपने मानसिक दिवालिएपन का नमूना दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं, ये बात इस समय उग्र राष्ट्रवाद से ग्रस्त लोगों को समझ नहीं आएगी, और जब तक आएगी, तब तक शायद देर हो चुकी होगी।

इन घटनाओं के बीच एक घटना का वीडियो और सामने आया है, जिसमें दिल्ली के एक भाजपा नेता के घर एसी सर्विस करने आए दो लोगों को केवल इसलिए लौटा दिया गया क्योंकि वे मुसलमान हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घर के दरवाजे पर खड़े दो व्यक्तियों से कहा जा रहा है कि तुम चले जाओ हम मुसलमानों से काम नहीं कराते, अपनी कंपनी से कहो किसी हिंदू को भेजें।

पहले भी कई गिग वर्कर्स के साथ धर्म के आधार पर ऐसा अपमानजनक व्यवहार हो चुका है, लेकिन अब अपमान करने के साथ-साथ उनका वीडियो बनाकर डालना समाज में यह संदेश फैलाने की कोशिश करना है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है और अगर उन्हें यहां रहना है तो इसी तरह डर कर, अपमानित होकर रहना पड़ेगा। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं है। मगर अपनी राजनीतिक जमीन पुख्ता करने के लिए शायद यही अच्छी स्थिति है।

गर्मियों में छोटे बच्चे को हो सकती है हीट रैश की समस्या,जानें लक्षण और बचाव के तरीके

बढ़ते तापमान और तेज गर्मी के कारण बच्चों को स्किन पर रैश यानी चकत्ते निकल जाते हैं. कुछ मामलों में माता- पिता इनको देखकर घबरा जाते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये गर्मियों में होने वाली एक आम समस्या है. जिसको लेकर घबराना नहीं चाहिए. गर्मियों में स्किन के छिद्र बंद हो जाते हैं, इससे पसीन स्किन के अंदर ही रह जाता है और इससे स्किन पर चकत्ते निकलने लगते हैं. गर्म वातावरण में बच्चों की स्किन पर हीट रैश होने की संभावना अधिक होती है.

हीट रैश होने के बाद बच्चों की स्किन पर लाल चकत्ते या छोटे दाने दिखाई दे सकते हैं. स्किन पर जलन या खुजली होने लगती है और बच्चों को ज्यादा पसीना आता है. अगर आपको अपने बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो इनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. क्योंकि ये समस्या फिर पूरे शरीर में भी हो सकती है. इससे बार-बार खुजली और दूसरे तरह के फंगल इंफेक्शन का भी खतरा रहता है. हीट रैश में फोड़े-फुंसी हो सकते हैं, जिससे दर्द और परेशानी बढ़ सकती है. कुछ मामलों में एक्जिमा, डमेटांइटिस आदि हो सकती हैं. ये सेप्सिस और बैक्टीरियल संक्रमण का भी कारण बन सकता है. ऐसे में हीट रैश की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

हीट रैश से बचाव के तरीके क्या हैं?

बच्चे को ठंडे और सूखे वातावरण में रखें. कोशिश करें कि तेज धूप में बच्चे को बाहर लेकर न जाएं.

-बच्चों को हल्के और ढीले कपड़े पहनाएं. उनको सूती कपड़े पहनाएं तो बेहतर रहेगा

-बच्चे को नियमित रूप से नहलाएं और साफ- सफाई का ध्यान रखें. शरीर साफ रहेगा तो इंफेक्शन का रिस्क भी कम होगा

-बच्चों को पर्याप्त पानी पिलाएं इसके शरीर हाइड्रेट रहेगा

हीट रैश का इलाज क्या है

-बच्चे को ठंडे पानी से नहलाएं

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

- ललित गर्ग-

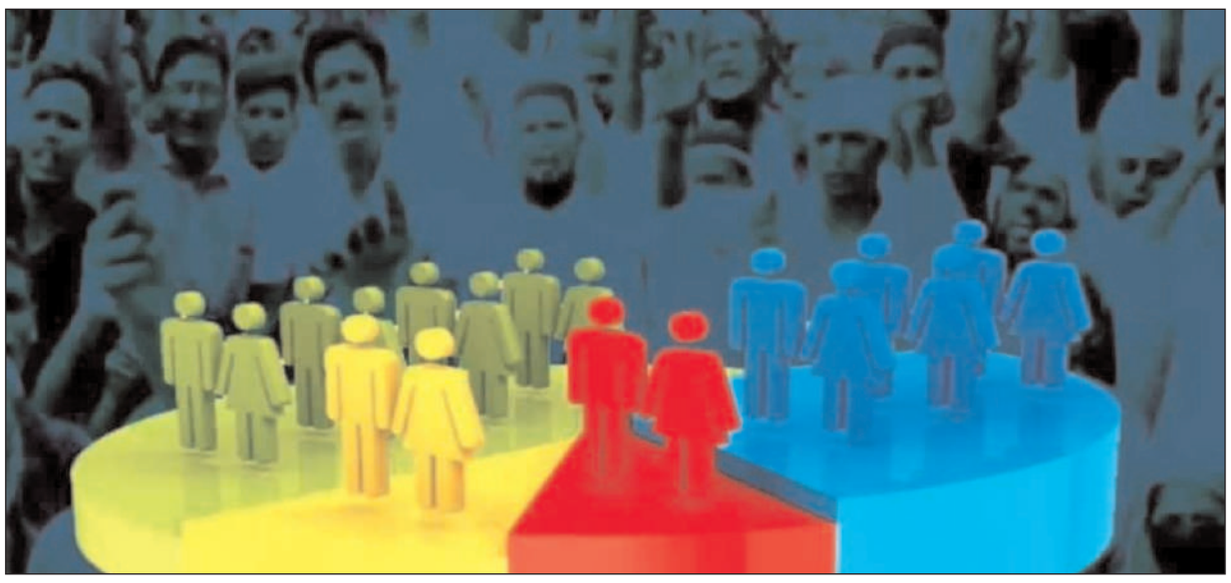

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरूआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन- 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये कदम उठाया है। भाजपा इसके खिलाफ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना के आंकड़े 2026 या 2027 के अंत में आएंगे और तब तक बिहार और यूपी के चुनाव हो चुके होंगे। इसलिए इसका चुनावी लाभ लेने की बात सही नहीं है। वैसे भी भाजपा ने हाल के वर्षों में पिछड़ों और दलितों समुदाय को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की है। भाजपा इस जातिगत गणना से ये भी दिखाना चाहती है कि पिछड़ों के एक-आध समुदाय को छोड़ दें तो ओबीसी समुदाय का बड़ा हिस्सा उसके साथ है। वैसे तो विभिन्न राजनीतिक दल अमुक-अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। इसलिये जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है और देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े सरकार और जनता के लिए खुले और पारदर्शी होने चाहिए, ताकि सामाजिक संबंधों, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक गतिशीलता की नई एवं समानतामूलक दिशाएं उद्घाटित हो सके और भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो, एक समतामूलक एवं संतुलित समाज की संरचना को बल मिलता हो।

क्या मोदी पाकिस्तान के खिलाफ अमेरिका की दोस्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं

– नित्य चक्रवर्ती

भारत के लिए, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी 22 अप्रैल को ट्रम्प के 100 दिन पूरे होने से ठीक सात दिन पहले हुए पहलगाम नरसंहार पर जवाबी कार्रवाई के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो ट्रम्प क्या निर्णय लेंगे। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, सभी देशों ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी निंदा की है ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने 29 अप्रैल, मंगलवार को अपने दूसरे गैर-लगातार कार्यकाल में अपने पहले 100 दिन पूरे कर लिए हैं, जबकि उनकी अव्यवस्थित नीतियों के कारण वैश्विक अव्यवस्था जारी है। एकतरफा टैरिफ वृद्धि, गाजा में शांति स्थापित करने में विफलता, इजरायल द्वारा हत्याओं का सिलसिला भी जारी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी ट्रम्प के खुद के कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी उथल-पुथल के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है।

ट्रम्प प्रशासन के पहले 100 दिनों में टैरिफ नीति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में कई उतार-चढ़ाव देखे गये। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध में चीन के साथ अपनी लड़ाई में ट्रंप ने पहले कदम बढ़ाया है, लेकिन अभी तक चीन ने आधिकारिक तौर पर वार्ता के लिए प्रतिनिधि नहीं भेजे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति ट्रंप का रुख अब नरम है। ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त होने वाली 90-दिवसीय विराम अवधि के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के लिए पचास से अधिक देशों की सहमति मिल जायेगी। अब तक कुल 180 व्यापार भागीदारों में से 21 देश व्यापार शर्तों पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गये हैं।

अमेरिकी लोग ट्रंप के आखिरी 100 दिनों को किस तरह देख रहे हैं? न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकागो सहित अमेरिका के प्रमुख शहरों में ट्रंप की मगानीतियों और अंधाधुंध निर्वासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। खास बात यह थी कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में कोई भूमिका नहीं थी। ट्रेड यूनियनों और महिला संगठनों सहित विभिन्न हित समूहों ने इसमें अग्रणी भूमिका निभायी।

ट्रंप के लिए बेचैन करने वाला पहलू यह है कि हाल के जनमत सर्वेक्षणों में ट्रंप की स्वीकृति रेटिंग 39 से 44 प्रतिशत के बीच दर्ज की गयी, जो अमेरिकी विश्लेषकों के अनुसार, 100 दिन पूरे होने के बाद अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में सबसे कम थी। जो बाइडेन 54 प्रतिशत और बराक ओबामा 62 प्रतिशत पर थे। 100 दिनों के बाद उनकी रेटिंग में यह गिरावट बढ़ सकती है, अगर वे इस साल जुलाई के बाद अपनी व्यापार कूटनीति में सफलता प्राप्त कर सकें और अमेरिकी लोगों और व्यापारिक साझेदारों को यह साबित कर सकें कि अमेरिका के समर्थन के बिना कोई भी देश वैश्विक व्यापार में समृद्ध नहीं हो सकता। अमेरिकी लोगों ने यह भी देखा है कि वे एकमात्र राष्ट्रपति हैं जिन्होंने गाजा और यूक्रेन में युद्धविराम लाने का काम तुरंत शुरू किया। यह एक नाजुक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन ट्रम्प युद्धविराम की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों को एक शिखर सम्मेलन में लाने की कोशिश कर रहे हैं।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

- ललित गर्ग-

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धमार्चार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा ह्यमाँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।ह्न इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया।

सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य ह्यअहं ब्रह्मस्मिह्न है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य ह्यअयमात्मा ब्रह्मह्न है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य ह्यतत्वमसिह्न है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तामानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य ह्यप्रज्ञान ब्रह्मह्न है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

यूक्रेन को आखिरकार करना पड़ा अमेरिका से खनिज समझौता

एजेंसी

वाशिंगटन। रूस के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के अहसानों से दबे यूक्रेन को ना-नुकुर करते हुए आखिरकार खनिज समझौते पर सहमत होना पड़ा। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने पुष्टि की है कि अमेरिका और यूक्रेन ने खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता, दोनों देशों के बीच खनिज संसाधन समझौते के समन्वय में अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक निवेश कोष स्थापित करेगा। न्यूज की खबर के अनुसार, यह समझौता अमेरिका को यूक्रेनी दुर्लभ पृथ्वी खनिजों पर अधिकार देता है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने विज्ञप्ति में कहा कि यह समझौता रूस को स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि ट्रंप प्रशासन लंबे समय तक एक स्वतंत्र, संप्रभु और समृद्ध यूक्रेन पर केंद्रित शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी लोगों और यूक्रेनी लोगों के बीच इस साझेदारी की कल्पना की। इसके अलावा बेसेंट ने एक्स पोस्ट भी इस समझौते की चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की फरवरी के अंत में खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने वाले थे। ओवल ऑफिस में दोनों के बीच तनावपूर्ण बातचीत के बाद यह योजना पटरी से उतर गई थी।

नेपाल में पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों को सौंपा गया ज्ञापन, असीम मुनीर और आतंकियों के बीच सांठगांठ का आरोप

काठमांडू। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस समय अधिकांश देशों में पाकिस्तान के दूतावासों के सामने विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन नेपाल में यह पहली बार हुआ जब पाकिस्तानी दूतावास के अंदर जाकर वहां के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पहलगाम आतंकी हमले के लिए सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोषी बताया गया। मुनीर के भड़काऊ भाषण के कारण पहलगाम घटना होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।यह वाकया काठमांडू में हुआ जब हिन्दू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के दूतावास के अंतर एक ज्ञापन दिया। वैसे तो काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं लेकिन पहली बार पाकिस्तानी दूतावास के भीतर जाकर दूतावास के कर्मचारियों को दिए ज्ञापन में उनके ही कूटनीतिक अधिकारियों के सामने पहलगाम घटना के लिए उन्हें दोषी बताया गया। अभियान के महासचिव देवेश झा ने कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया। इसका नतीजा है कि पहलगाम में धर्म पूछ कर हिन्दुओं को गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों से मुनीर की कोई न कोई सांठगांठ जरूर रही होगी।

क्षेत्रीय तनावों के बीच अल्जीरिया ने सैन्य लामबंदी विधेयक का मसौदा तैयार किया

अल्जीयर्स। उत्तर अफ्रीकी देश अल्जीरिया ने मोरक्को, माली और फ्रांस के साथ बढ़ते तनाव के बीच एक नया सैन्य लामबंदी विधेयक प्रस्तावित किया है। इस विधेयक का उद्देश्य देश की रक्षा व्यवस्था को आपातकालीन परिस्थितियों में और अधिक सक्षम बनाना है। यह विधेयक न्याय मंत्री द्वारा सार्वजनिक किया जाएगा, जिसे इस माह की शुरुआत में मंत्रिपरिषद ने मंजूरी दी थी। संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत प्रस्तावित इस कानून में राष्ट्रीय संकट की स्थिति में समस्त राष्ट्र शक्ति की लामबंदी के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को स्पष्ट किया गया है। यह कदम उस समय आया है जब पिछले वर्ष फ्रांस ने मोरक्को के पश्चिमी सहारा पर स्वायत्तता योजना का समर्थन किया था। यह क्षेत्र पोलिसारियो फ्रंट के नियंत्रण में है, जिसे अल्जीरिया का समर्थन प्राप्त है और जो देश के दक्षिण-पूर्व में शरणार्थी शिविरों से संचालित होता है। फ्रांस की इस नीति परिवर्तन से अल्जीरिया और उसके बीच संबंधों में खटास आ गई। वर्तमान में अल्जीरिया के शक्तिशाली सेना प्रमुख सईद शंगरीहा सीमावर्ती सैन्य क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और सैन्य अभ्यासों की निगरानी कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में अल्जीरियाई सेना ने माली सीमा के पास एक सैन्य ड्रोन को मार गिराने का दावा किया था, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का पहला प्रत्यक्ष संकेत माना जा रहा है।

वियतनाम ने युद्ध की समाप्ति की 50वीं वर्षगांठ मनाई, शांति और एकता पर दिया गया जोर

वियतनाम। वियतनाम ने अमेरिका के साथ युद्ध की समाप्ति और आधुनिक राष्ट्र की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर राजधानी हो ची मिन्ह सिटी में भव्य सैन्य परेड का आयोजन हुआ और देश के नेताओं ने शांति, एकता और समृद्धि की ओर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। 30 अप्रैल 1975 को सैगॉन (अब हो ची मिन्ह सिटी) पर उत्तर वियतनामी और वियेत कॉन्ग सेनाओं के नियंत्रण के साथ ही वियतनाम का विभाजन समाप्त हो गया था। इस ऐतिहासिक दिन को देश की एकता का प्रतीक बताते हुए वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव तो लाम ने कहा, सभी वियतनामी इस देश की संतान हैं और उन्हें यहां जीने, काम करने, प्रेम और खुशियों की तलाश का पूरा अधिकार है। तो लाम ने कहा, भूतकाल को बंद करने, मतभेदों का सम्मान करने और भविष्य की ओर बढ़ने की भावना के साथ, पूरी पार्टी, जनता और सेना वियतनाम को एक शांतिपूर्ण, एकीकृत और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता के लिए भारत प्रतिबद्ध : पी हरीश

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत गाजा संघर्ष में पक्षों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उसने युद्ध विराम तथा बंधकों की रिहाई की अपनी मांग दोहराई है। स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने फिलिस्तीन पर एक बहस के दौरान सुरक्षा परिषद को बताया, भारत पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता देखना चाहता है और हम इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सभी संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसके इजरायल और फिलिस्तीन दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। पी. हरीश ने इजरायल या हमास का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उन्होंने हमास द्वारा इजरायल पर किए गए आतंकवादी हमले की निंदा की और

इजरायल द्वारा आतंकवादी हमले के प्रतिशोध में शुरू किए गए अभियान को पुनः शुरू करने के बाद से हुई पीड़ा के बारे में बात की। इससे यह पता चलता है कि भारत स्वयं भी आतंकवाद का शिकार है, जो फिलिस्तीन और अरब जगत के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए इजरायल के साथ घनिष्ठ रक्षा संबंध विकसित कर रहा है।हरीश ने कहा, आतंकवाद अस्वीकार्य है, चाहे शिकायत कुछ भी हो, इसका समाधान केवल शांतिपूर्ण तरीकों से ही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत 7 अक्टूबर, 2023 को हुए आतंकवादी हमलों की निंदा करने वाले देशों की लिस्ट में भारत शामिल था। अस्थायी युद्ध विराम के समाप्त होने के बाद, दुर्भाग्यवश, ऑपरेशन पुनः शुरू हो गए हैं और महिलाओं और बच्चों सहित नागरिक, किसी भी संघर्ष में सबसे ज्यादा हताहत होते हैं।जनवरी में लागू हुआ युद्ध विराम मार्च में तब टूट गया जब इजरायल ने हमास के खिलाफ हवाई हमले और जमीनी अभियान फिर से शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, भारत सभी संबंधित पक्षों से हिंसा छोड़ने, बंधकों को रिहा करने तथा वार्ता के रास्ते पर आगे बढ़ने का आह्वान करता है, ताकि सभी लोग सामान्य जीवन जी सकें।

कार्नी और जेलेंस्की ने जी7 शिखर सम्मेलन में मुलाकात पर जतायी सहमति

एजेंसी

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने जून में कनाडा के कनानसकीस, अल्बर्टा में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में एक-दूसरे से मुलाकात करने पर सहमति जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सोमवार के संसदीय चुनावों में जीत हासिल करने के बाद श्री कार्नी ने श्री जेलेंस्की से बात की। श्री कार्नी ने स्थायी शांति और सुरक्षा हासिल करने में यूक्रेन का समर्थन करने के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि एक स्थायी शांति केवल यूक्रेन के साथ बातचीत करके ही हासिल की जा सकती है।

पोप फ्रांसिस की विरासत सभी धर्मों को शांति और सद्भाव के लिए करेगी प्रेरित : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा है कि पोप फ्रांसिस की विरासत सभी धर्मों के लोगों को शांति और सद्भाव के साथ जीने के लिए प्रेरित करेगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक विशेष सत्र में पोप फ्रांसिस की स्मृति को सम्मानित करते हुए हरीश ने कहा कि उनका जीवन शांति, न्याय और मानवीय गरिमा के लिए समर्पित था। उन्होंने विशेष रूप से गरीबों और हाशिए पर रहने वालों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को याद किया, जो मानवता की सेवा में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक है। एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय समूह की ओर से श्रद्धांजलि देते हुए हरीश ने कहा कि पोप फ्रांसिस का निधन न केवल वैश्विक कैथोलिक समुदाय के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए गहरे दुख का क्षण है, जो उनके असाधारण जीवन से प्रेरित था। हरीश ने पोप को एक पीढ़ी में एक बार जन्म लेने वाला नेता बताते हुए कहा कि उनकी विरासत करुणा, मानवता की सेवा और शांति को बढ़ावा देने वाली होगी। उन्होंने कहा कि पोप का मानवता, प्रेम और विनम्रता का

संदेश सीमाओं को पार कर लाखों लोगों के दिलों को छू गया। उनके अंतिम ईस्टर संदेश को याद करते हुए हरीश ने कहा कि यह हमें सिखाता है कि प्रेम नफरत पर, प्रकाश अंधेरे पर और सत्य झूठ पर विजय प्राप्त कर सकता है। यह संदेश हमें एक अधिक स्थिर, शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पोप फ्रांसिस को विश्वास का प्रतीक और सभी धर्मों के बीच सेतु बनाने वाला व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि पोप संयुक्त राष्ट्र के सच्चे मित्र थे और क्रूरता भरे विश्व में दया की आवाज तथा युद्धग्रस्त विश्व में शांति की पुकार थे। गुटेरेस ने बताया कि पोप के रूप में नियुक्त होने से पहले ब्यूनस आयर्स की झुग्गियों में उनके काम ने उनकी इस धारणा को मजबूत किया कि विश्वास को कार्रवाई और परिवर्तन का आधार बनना चाहिए। पोप के रूप में उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के लिए एक अडिग आवाज के रूप में इस विश्वास को और तेज किया। हरीश और गुटेरेस दोनों ने पोप फ्रांसिस की विरासत को विश्व शांति और मानवता की सेवा के लिए प्रेरणादायक बताया, जो आने वाली पीढ़ियों को एकजुटता और करुणा के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

अमेरिका ने दोहरायी आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहरायी है।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग फोन पर बात की और दोनों देशों से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जारी तनाव कम करने की अपील की।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने सोशल मीडिया में कहा, ÷श्री रुबियो ने श्री जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया और पहलगाम हमले में पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में

शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, श्री रुबियो ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ से बात की और पाकिस्तान को भारत के साथ मिलकर तनाव कम करने, सीधे संवाद स्थापित करने और दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की निंदा करने की जरूरत पर बल दिया। दोनों नेताओं ने हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए आतंकवादियों को जवाबदेह ठहराने के वास्ते अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्री ने इस अमानवीय हमले की जांच में पाकिस्तानी अधिकारियों से सहयोग करने का आग्रह किया।

अमेरिका में 'खसरे' ने बढ़ाई चिंता, टेक्सास में 700 से अधिक बीमार

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका ने 25 साल पहले खसरे को खत्म करने की घोषणा की थी, लेकिन पश्चिमी टेक्सास में इस बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने एक बार फिर से चिंताएं बढ़ा दी हैं। मीडिया ने बताया कि पश्चिमी टेक्सास में खसरे के रोगियों की संख्या बढ़ गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत में शुरू हुए खसरे से टेक्सास में 700 से अधिक लोग बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं, यह अन्य राज्यों में भी फैल गया है। खसरे ने अमेरिका में एक दशक से अधिक समय में पहली बार जान ली है। कुछ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और महामारी वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रकोप एक साल से अधिक समय तक चल सकता है, जिससे अमेरिका का खसरा-मुक्त दर्जा खतरे में पड़ सकता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार,

अमेरिका ने साल 2000 में व्यापक टीकाकरण अभियानों के बाद यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसमें अधिकांश बच्चों को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला या एमएमआर वैक्सीन दी गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खसरा तब खत्म माना जाता है जब किसी देश में कम से कम 12 महीने तक मजबूत निगरानी प्रणाली के तहत स्थानीय स्तर पर इसका प्रसार न हो। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, कोई बीमारी तब स्थानिक होती है, जब वह किसी आबादी में नियमित रूप से मौजूद रहती है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टेक्सास में खसरे के मामले मंगलवार को बढ़कर 663 हो गए, जो 25 अप्रैल के बाद 17 मामलों की वृद्धि है। अमेरिका पहले से खत्म हो चुकी बचपन की बीमारी के सबसे खराब प्रकोपों में से एक से जूझ रहा है। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट हेल्थ सर्विसेज ने कहा कि प्रकोप के केंद्र गेन्स काउंटी में मामले 396 हो गए, जो शुक्रवार के पिछले अपडेट से तीन अधिक हैं। इसके अलावा, अन्य राज्यों में भी इजाफा देखा गया था, जहां तीन या अधिक मामले सामने हैं। इनमें इंडियाना, कंसास, मिशिगन, मोंटाना, ओहियो, पेंसिल्वेनिया और टेनेसी शामिल हैं। सीडीसी के शुक्रवार के आंकड़ों के अनुसार, पांच में से एक राज्य में खसरे का प्रकोप बढ़ा है और इसके साथ ही अमेरिका में बीमारों की संख्या 900 के करीब पहुंच गई है।

पाकिस्तान ने बालाकोट की सैफुल मलूक झील को पर्यटकों के लिए खोला

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बालाकोट की काघन घाटी में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सैफुल मलूक झील को छह महीने बंद रहने के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। राजकुमार सैफुल मलूक और परी बदीउल जमाल की रोमांटिक किंवदंती से जुड़ी यह झील प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पिछले साल नवंबर में भारी बर्फबारी के कारण झील की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई थी। अब इसे साफ कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। अब पर्यटक एक बार फिर झील के आसपास बर्फ से ढके नजारों का आनंद ले सकेंगे। बालाकोट

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मनसेहरा जिले में स्थित है। बालाकोट इस्लामाबाद से लगभग 190 किलोमीटर, जम्मू-कश्मीर के उरी से 81 किलोमीटर और नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर है। पर्यटन सलाहकार जाहिद चानजेब और काघन विकास प्राधिकरण के महानिदेशक शब्बीर खान कहना है कि भारी मशीनरी की मदद से सड़क को साफ कर झील तक जाने का मार्ग बहाल कर दिया गया है। मुल्क के बाकी हिस्सों में गर्मी का प्रकोप है, मगर यहां का मौसम सुहावना है। झील के खुलने से सैकड़ों स्थानीय जीप चालकों के लिए आजीविका के अवसर मिलने की भी उम्मीद है।

ईरान और अमेरिका के बीच चौथे दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता रोम में होगी: अब्बास अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच ओमानी मध्यस्थता वाली अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का चौथा दौर रोम में आयोजित किया जाएगा। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना के अनुसार श्री अराघची ने तेहरान में कैबिनेट की बैठक के दौरान ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका के प्रतिबंधों पर अमेरिका के साथ चल रही वार्ता के बारे में सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ओमान ने तकनीकी और तार्किक कारणों से वार्ता के मेजबान के रूप में रोम में चौथा दौर आयोजित करने का फैसला किया था। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि ओमान ने वार्ता की मेजबानी के लिए जिस स्थान का

चयन किया है, वह ईरान के लिए कोई विशेष महत्व नहीं रखता। उन्होंने कहा, हमारे लिए वार्ता की विषय-वस्तु और मध्यस्थ महत्वपूर्ण हैं।÷ उन्होंने चल रही वार्ता के बावजूद ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाने जैसे अमेरिकी शत्रुतापूर्ण उपायों पर उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से निश्चित रूप से नकारात्मक संदेश जाएगा। श्री अराघची ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने फिलहाल वार्ता में कोई भूमिका नहीं निभाई है, लेकिन अगर कोई समझौता हो जाता है, तो भविष्य में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि हालांकि वार्ता के समापन के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन ईरान स्वाभाविक रूप से अस्थिर वार्ता में दिलचस्पी नहीं रखता है और समय बर्बाद नहीं करना चाहता है। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का पहला और तीसरा दौर ईरानी विदेश मंत्री और पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की अध्यक्षता में 12 और 26 अप्रैल को ओमान की राजधानी मस्कट में आयोजित किया गया था और दूसरा दौर 19 अप्रैल को रोम में आयोजित किया गया था।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में तूफान के दौरान कम से कम दो लोगों की मौत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में तूफान के दौरान बिजली की चपेट में आने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी और लगभग 250,000 उपभोक्ताओं को बिजली के बिना रहना पड़ा। टेक्सास से लेकर पूर्वोत्तर तक अमेरिका के बड़े हिस्से को कवर करने वाले तूफान का प्रकोप पेंसिल्वेनिया में अधिक देखने को मिला। यहां बिजली की चपेट में आने से कम से कम दो लोग मारे गए और लगभग 250,000 ग्राहकों को बिजली के बिना रहना पड़ा। पिट्सबर्ग में राष्ट्रीय मौसम सेवा द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में मंगलवार को आए इस तूफान के कारण बिजली की लाइनों और घरों पर पेड़ गिरे हुए दिखाई दिये। पिट्सबर्ग पब्लिक सेफ्टी ने कहा कि तूफान के दौरान

बिजली की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई।

यूएसए टुडे की रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने बताया कि स्टेट कॉलेज में एक 22 वर्षीय व्यक्ति की मौत तूफान के दौरान बिजली की चपेट में आने हो गयी।

मौसम सेवा की प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को ओक्लाहोमा और मिसौरी में कम से कम तीन बवंडर देखे गए, जिसने तुलसा में पेड़ों को उखाड़ दिया और बाहरी इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया। टेक्सास के कुछ हिस्सों में 05 इंच तक की ओले गिरे। रिपोर्ट के अनुसार, ओक्लाहोमा, कंसास, इलिनोइस, अर्कांसस, मिसौरी, इंडियाना, ओहियो और न्यूयॉर्क में तेज़ हवाओं के कारण पेड़ गिर गए या संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट के गलत पत्र पर पूर्व सांसद की गिरफ्तारी, चार घंटे में हुए रिहा

काठमांडू। काठमांडू में आज सुप्रीम कोर्ट के एक गलत पत्र के कारण पूर्व सांसद तथा सत्ता गठबंधन के सहयोगी दल नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के अध्यक्ष रेशम चौधरी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन मामला गलत होने के बाद जेल भेजे गए पूर्व सांसद को रिहा कर दिया गया। पुलिस ने गलत पत्र भेजने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट के एक सेक्शन ऑफिसर को गिरफ्तार कर लिया। चौधरी को आज दिन में उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह अपनी नगरिक मुक्ति पार्टी और जनमत पार्टी के एकीकरण की घोषणा करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में सहभागी हो रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आधार पर काठमांडू पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी के कारण हाई-प्रोफाइल राजनीतिक कार्यक्रम रद्द हो गया। पूर्व सांसद रेशम चौधरी को डिल्ली बाज़ार जेल से रिहा कर दिया गया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने आकस्मिक बैठक कर उनकी गिरफ्तारी का आदेश देने वाले पत्र को अनौपचारिक और अनधिकृत करार दे दिया। अदालत ने उस अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है जिसने बिना मंजूरी के विवादास्पद पत्र जारी किया था। अदालत के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में सेक्सन अफिसर रहे महिमान सिंह विष्ट को गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा। डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है। भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। इस्लामाबाद में डार ने आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की राजनीतिक रूप से प्रेरित और भड़काऊ कार्रवाइयां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद से पीड़ित देश होने के नाते, पाकिस्तान निर्दोष नागरिकों पर

हमले की पीड़ा को बेहतर समझता है। साथ ही पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इस घटना की सख्त आलोचना करने का अनुरोध किया है। डार ने भारत पर पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने के मनगढंत और आधारहीन प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सुरक्षा विफलताओं और कश्मीर में जारी दमनकारी नीतियों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान हटाने के लिए ऐसे आरोप लगाता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 80,000 से अधिक नागरिकों और सैनिकों की जान और 150 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान झेल चुका है। विदेश मंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन अगर भारत ने कोई आक्रामक कदम उठाया, तो पाकिस्तान मुंहतोड़ और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की कार्रवाइयों के क्षेत्रीय प्रभावों को गंभीरता से लेने की अपील की। इसके अलावा, डार ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से निलंबित करने की भी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इस संधि को किसी भी पक्ष द्वारा अकेले खत्म नहीं किया जा सकता। डार ने इस हमले की निष्पक्ष जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की मांग दोहराई, जैसा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रस्तावित किया है।

शिखर धवन ने इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप की टीम जर्सियों का किया अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) की आधिकारिक टीम जर्सियों का अनावरण किया। यह टूर्नामेंट 27 मई से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। मयूर विहार स्थित क्राउन प्लाजा में आयोजित इस कार्यक्रम में शिखर के अलावा पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना, प्रवीण कुमार और आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान उपस्थित रहे। शिखर धवन ने इस अवसर पर कहा कि यह एक शानदार पहल है, जो दुनिया भर के क्रिकेट लीजेंड्स को एक मंच पर लाती है। आईएलसी न केवल लीजेंड्स के जुनून को पुनर्जीवित करती है, बल्कि प्रशंसकों को पुरानी यादों और मनोरंजन का अनूठा मिश्रण भी प्रदान करती है। मैं इस लॉन्च का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और आगामी रोमांचक एक्शन का इंतजार कर रहा हूं। कार्यक्रम में खानपुर के विधायक उमेश कुमार भी शामिल हुए और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं आज उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करता हूं। विशेष रूप से मैं आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान को बधाई देना चाहता हूं। शुरू में मुझे लगा था कि इस स्तर का आयोजन करना कठिन होगा, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत को देखकर यह स्पष्ट हो गया कि हम इस जर्सी लॉन्च के सफल चरण तक पहुंच गए हैं।

जुबा संघा, नार्दन यूनाइटेड और गढ़वाल यूनाइटेड जीते

नयी दिल्ली। हिमांशु चंटोला की शानदार हैट्रिक की मदद से जुबा संघा ने डीएसए ए डिवीजन लीग में रॉयल फुटबॉल क्लब को 5-0 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए एकतरफा मुकाबले में कुल्लू और अमासजून ने एक एक गोल बांटे। एक अन्य मुकाबले में हॉप्स ने ह्युबर स्टोन तौठींग के दो गोलों से यंगेस्टर्स एफसी को 2-1 से परास्त किया। पराजित टीम का गोल नितिन चौहान ने किया। अन्य मैचों में वोरियर्स ने गढ़वाल यूनाइटेड पर 2-1 की जीत पाई। विमेंस प्रीमियर लीग में गढ़वाल यूनाइटेड ने दिल्ली यूनाइटेड एफसी को बोनीफिलिए शुलाई, कप्तान संफीदा, एल किम और दीपिका पाल के गोलों से पराजित किया। सीनियर डिवीज़न के मुकाबलों में जगुआर और नार्थर्न यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने अम्बेडकर स्टेडियम पर खेले गए मैचों में आसान जीत दर्ज की। नार्थर्न यूनाइटेड की 3-0 की जीत का आकर्षण अखिलेश देवरानी, कुशाग्र चौधरी और शौर्य कक्कर के दर्शनीय गोल रहे। अखिलेश और कुशाग्र ने डी टॉप से नपे तुले शॉट जमा कर वाह वाह लूटी। जगुआर ने कप्तान सुमित के दो गोलों से एमिटी नेशनल्स को 2-0 से हराया तो नार्थर्न यूनाइटेड ने सिटी एफसी पर शानदार अंदाज में जीत दर्ज की।

मेहदी हसन मिराज का हरफनमौला प्रदर्शन,बंगलादेश ने जिम्बाब्वे को पारी और 106 रनों से हराया

चटगांव। मेहदी हसन मिराज (104 रन और पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन जिम्बाब्वे को दूसरी पारी में 111 रन पर समेट कर मुकाबला पारी और 106 रनों से जीत लिया। इसी के साथ बंगलादेश ने दो मैचों की सीरीज एक-एक से बराबर कर ली है। मेहदी हसन मिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ रन के स्कोर अपने दो विकेट गवां दिये। ब्रायन बेनेट (छह) और निक वेल्च (शून्य) पर आउट हुये। इन दोनों बल्लेबाजों को तैजुल इस्लाम ने आउट किया। इसके बाद मेहदी हसन मिराज ने शॉन विलियम्स (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान क्रेग एर्विन ने बेन कर्रन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 30 ओवर में मिराज ने क्रेग एर्विन (25) को आउटकर बंगलादेश को चौथी सफलता दिलाई। इसी ओवर में उन्होंने वेस्ली मधेवेरे (शून्य) को भी अपना शिकार बनाया।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने किया उलटफेर, ज्वेरिव हुए मैड्रिड ओपन से बाहर

मैड्रिड। जर्मनी के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरिव को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में उलटफेर का सामना करना पड़ा है वह अर्जेंटीना फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से हारकर मैड्रिड ओपन से बाहर हो गये है। स्पेन में बिजली संकट के कारण मुकाबले नहीं हो पाये थे। पुरुष वर्ग में खेले राउंड ऑफ 16 के एकल मुकाबले में जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरिव अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 5-7, 3-6 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये है।

जबकि एक अन्य मुकाबले में चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक ने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। राउंड ऑफ 32 में 11वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने रूस के करेन खाचानोव पर 6-3, 3-6, 6-2 से जीत हासिल की, जबकि पॉल के साथी अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो ने फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर को 6-3, 6-3 से हराया।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

एजेंसी

बार्सिलोना। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेले गए मुकाबले में फैंस को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। इंटर मिलान जहां दो बार बढ़त लेने में कामयाब रही, वहीं बार्सिलोना ने दोनों बार शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में युवा लमिन यामाल ने एक ऐतिहासिक गोल दागा और दो बार गेंद को बार पर भी मारा।

30वें सेकंड में थुराम का रिकॉर्ड गोल, डम्फ्रीज ने दागा दूसरा: मैच की शुरुआत ही धमाकेदार रही। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने मुकाबले की शुरुआत के महज 30वें सेकंड में शानदार बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल कर डाला। इसके बाद डेंजल डम्फ्रीज ने कॉर्नर से मिले

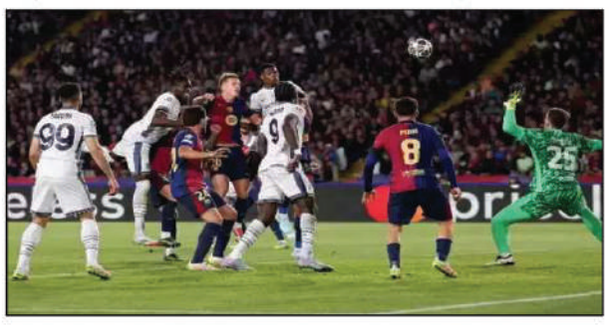

मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और इंटर को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। यामाल की मैजिकल वापसी, सबसे युवा सेमीफाइनल स्कोरर बने हालांकि बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में शानदार एकल प्रयास से गोल दागा और टीम को वापसी की राह दिखाई। यह गोल उन्हें चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना गया। यामाल ने थुराम को पीछे छोड़ा, मखितारियन को छकाया और फिर बाएं पोस्ट से गेंद को गोल में डाला।

टोरेस ने किया स्कोर 2-2, इंटर ने फिर ली बढ़त

पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। स्कोर 2-2 हो गया। हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने एक बार फिर हेडर से गेंद डाली, जो ओल्मो से लगकर गोल में चली गई और इंटर को तीसरी बार बढ़त मिली।

सोमर का आत्मघाती गोल, बार्सिलोना ने फिर की बराबरी

इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से ताकतवर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। यह आत्मघाती गोल स्कोर 3-3 कर गया।

हॉकी इंडिया ने नितिन कोहली, मनोज भोरे और लालरिनफेला को कार्यकारी बोर्ड के सदस्य नियुक्त होने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने नितिन कोहली और मनोज भोरे को एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट तथा लालरिनफेला को एसोसिएट जॉइंट सेक्रेटरी नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। ये निर्णय 29 अप्रैल को केरल में आयोजित हॉकी इंडिया की 112वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान हॉकी इंडिया के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत करने के उद्देश्य से कई अहम बदलाव किए गए। इसमें कमांडर आर.के. श्रीवास्तव को कार्यकारी निदेशक से पदोन्नत कर डायरेक्टर जनरल बनाया गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने जारी बयान में कहा कि हम नितिन कोहली, मनोज भोरे और लालरिनफेला का उनके नए पदों पर स्वागत करते हैं। भारतीय हॉकी के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अनुभव संगठन को हर स्तर पर मजबूती प्रदान करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड की बैठक में

लिए गए निर्णय हमारे दीर्घकालिक विजन और प्रशासनिक उत्कृष्टता की दिशा में प्रतिबिंबित होते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि कोहली, भोरे और लालरिनफेला भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। साथ ही हम कमांडर आरके श्रीवास्तव को उनकी पदोन्नति पर शुभकामनाएं देते हैं।

एशियन चैंपियंस लीग से बाहर हुई क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अल-नासर, जापान की कावासाकी ने किया बड़ा उलटफेर

एजेंसी

जेद्दाह। एशियन चैंपियंस लीग एलाइट के सेमीफाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब जापानी क्लब कावासाकी फ्रंटेल ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल-नासर को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। सऊदी प्रो लीग की इस महंगी टीम को उस वक्त झटका लगा जब यूटो ओजेकी और अकीहिरो इएनागा ने गोल दागे। हालांकि सादियो माने और ऐमान याह्या ने अल-नासर के लिए वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

शानदार शुरुआत के साथ कावासाकी ने पकड़ी पकड़

कतर की अल-सद को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी कावासाकी फ्रंटेल ने सेमीफाइनल में भी तेज शुरुआत की। मैच के 10वें मिनट में तत्सुया इटो ने शानदार वॉली के जरिए गोल दागा और कावासाकी को 1-0 की बढ़त दिलाई।

माने ने दिलाई उम्मीद, लेकिन पहले हाफ में ही फिर पिछड़ी अल-नासर: 28वें मिनट में सादियो माने ने रोनाल्डो की टीम को बराबरी दिलाई। उनका शॉट जापानी डिफेंडर मारुयामा के कंधे से हल्का डिफ्लेक्ट होकर गोल में गया। इसके बाद रोनाल्डो ने हेडर और ओवरहेड किक से गोल की कोशिशें

कीं लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले हाफ के खत्म होने से चार मिनट पहले इटो की तेज दौड़ और शॉट पर बेंटो ने बचाव किया लेकिन ओजेकी ने रिबाउंड पर गोल दाग दिया।

दूसरे हाफ में इएनागा का गोल बना निर्णायक

दूसरे हाफ में अल-नासर ने वापसी की कोशिशें तेज कीं, लेकिन 76वें मिनट में कावासाकी के सब्स्टीट्यूट एरिसन ने शानदार मूव बनाते हुए इएनागा को पास दिया, जिन्होंने तीसरा गोल दागा। 87वें मिनट में ऐमान याह्या ने दूर से गोल कर स्कोर 3-2 किया और रोमांच भर दिया।

रोनाल्डो की कोशिशें नाकाम, कावासाकी ने रचा इतिहास

आखिरी पलों में रोनाल्डो ने दो बार गोल करने की कोशिश की लेकिन जापानी गोलकीपर यामागुची ने शानदार बचाव किया। इसके साथ ही कावासाकी फ्रंटेल ने इतिहास रचते हुए पहली बार एशियन चैंपियंस लीग के फाइनल में जगह बनाई।

आईपीएल 2025: प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई सीएसके, धोनी बोले- कैच छोड़ना पड़ा भारी

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही आईपीएल 2025 में वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। मैच के बाद कप्तान एमएस धोनी ने टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि 190 रनों का स्कोर थोड़ा कम था और कुछ जरूरी कैच छोड़ने से उन्हें नुकसान हुआ। धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने पहली बार एक अच्छा स्कोर खड़ा किया, लेकिन मुझे लगता है हम थोड़ा पीछे रह गए। बैटिंग यूनिट का प्रयास अच्छा था, लेकिन हमे और रन बनाने चाहिए थे। ब्रेविस और सैम करन की साझेदारी शानदार रही, लेकिन कुछ जरूरी कैच नहीं पकड़ने से विपक्षी टीम को गति मिल गई।

18 बॉल में बिखर गई पारी, चहल की हैट्रिक से लगा झटका

सीएसके की पारी 19.2 ओवर में 190 रन पर सिमट गई। एक समय टीम 14 ओवर में 126/3 पर थी और 200+ स्कोर की ओर बढ़ रही थी। करन और ब्रेविस की 78 रन की साझेदारी ने रन रेट को बढ़ाया, लेकिन 18वें ओवर में करन (88 रन) के आउट होते ही टीम ने

अंतिम 14 गेंदों में सिर्फ 18 रन बनाए। 19वें ओवर में युजवेंद्र चहल ने हैट्रिक सहित चार विकेट लिए और चेन्नई ने अंतिम छह विकेट 18 रन में गंवा दिए।

सीएसके का सीजन रहा फीका, रन रेट सबसे खराब

इस सीजन में चेन्नई का बल्लेबाजी प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। टीम का रन रेट (8.23) अब तक का सबसे कम है। रुतुराज गायकवाड़ के कंधे की चोट के चलते बाहर होने के बाद टीम ने शैक राशीद और आयुष म्हात्रे जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, लेकिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं हुआ। शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा और राहुल त्रिपाठी जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ भी फ्लॉप रहे। धोनी ने करन की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, वो हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता है। इस बार हमें होम ग्राउंड पर अच्छी पिच मिली, जिसका उसने फायदा उठाया। पिछले कुछ मैचों में पिच धीमी थी।

आईपीएल 2025: ग्लेन मैक्सवेल की उंगली में फ्रैक्चर, सीजन लगभग समाप्त

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025)में पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का सीजन लगभग खत्म हो गया है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ टॉस के दौरान पुष्टि की कि मैक्सवेल की उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। उन्होंने कहा कि फिलहाल टीम ने उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। श्रेयस ने कहा, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैक्सवेल की उंगली फ्रैक्चर हो गई है। ईमानदारी से कहूं तो हमने अभी तक रिप्लेसमेंट पर कोई फैसला नहीं लिया है। लेकिन हमारी टीम का माइंडसेट मजबूत है और हमारे पास ऐसे

खिलाड़ी हैं जो बाहर से आकर मैच जिताने की काबिलियत रखते हैं। स्टोइनिस ने किया बड़ा खुलासा, बोले- सीजन खत्म मानिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर और मैक्सवेल के साथी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने भी पुष्टि की कि मैक्सवेल की चोट गंभीर है। उन्होंने बताया कि यह चोट पिछले मुकाबले से पहले प्रैक्टिस के दौरान लगी थी, लेकिन तब मैक्सवेल ने इसे हल्का समझा। स्टोइनिस ने कहा, उसे लगा था कि चोट हल्की है लेकिन स्कैन के बाद हालात खराब निकले। ऐसे में लगता है कि उनका सीजन यहीं खत्म हो गया है। गौरतलब है कि इस सीजन मैक्सवेल का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने सात मुकाबलों में केवल 48 रन बनाए हैं। जबकि 11 सीजन पहले इसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उन्होंने 552 रन ठोककर तहलका मचाया था। वहीं, आरसीबी के लिए 2021 और 2023 में भी उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

धीमी ओवर गति के कारण पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। चेपॉक में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट से मिली रोमांचक जीत के बाद पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर गति के चलते 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल 2025 में यह पीबीकेएस की पहली ओवर-रेट संबंधी गलती हैधीमी ओवर गति के कारण पंजाब को 19वें ओवर से पहले एक अतिरिक्त फील्डर सर्कल के अंदर लाना पड़ा, लेकिन इसका असर युजवेंद्र चहल के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। श्रेयस अय्यर से पहले इस सीजन ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स), शुभमन गिल (गुजरात टाइटंस), अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन और रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (आरसीबी), और हार्दिक पंड्या (मुंबई इंडियंस) जैसे खिलाड़ी भी ओवर-रेट के दोषी पाए जा चुके हैं।

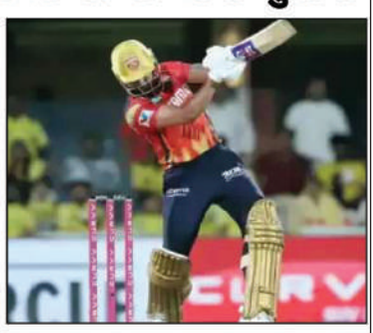

जीआईपीकेएल कबड्डी लीग का भव्य समापन: मराठी वल्चर और तमिल लायनेस बने चैंपियन

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित पहले ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) का समापन मंगलवार को शानदार उत्साह और प्रतिस्पर्धा के बीच हुआ, जिसमें मराठी वल्चर ने पुरुष वर्ग में और तमिल लायनेस ने महिला वर्ग में जीत का परचम लहराया। महिला वर्ग के फाइनल में तमिल लायनेस ने तेलुगु चीता को 31-19 के बड़े अंतर से पराजित कर न केवल खिताब जीता, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए जीआईपीकेएल चैंपियनशिप ट्रॉफी भी अपने नाम की। तमिल लायनेस की डिफेंस ने 14 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट पॉइंट्स के साथ विपक्षी टीम को लगातार दबाव में रखा। वहीं, तेलुगु चीता ने 3 सुपर टैकल किए, लेकिन वापसी नहीं कर पाई। पुरुष वर्ग के फाइनल में मराठी वल्चर और तमिल लायन्स के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें

मराठी वल्चर ने 40-30 से जीत दर्ज की। कप्तान सुनील नरवाल ने 17 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई, जबकि तमिल लायन्स की टीम 21 रेड पॉइंट्स लेने के बावजूद पीछे रह गई। 13 दिन चले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे कबड्डी के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को बल मिला। इस आयोजन ने प्रवासी भारतीयों और भारतीय खेल संस्कृति के बीच एक नया सेतु बनाने का कार्य किया। फाइनल मुकाबलों के अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने खिलाड़ियों के जुझारू प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश (आईएएस) और होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआईपीएसए) की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

कोई चिंता नहीं... 14 साल के वैभव पर नरमी बरतने के मूड में नहीं ट्रेंट बोल्ट

जयपुर। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि सवाई मानसिंह स्टेडियम की सपाट पिच पर राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी का सामना करना रोमांचकारी होगा और वह इसे लेकर चिंतित नहीं हैं। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन बनाकर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, जिससे वह आईपीएल और पुरुष टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उनकी 35 गेंद की पारी टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक भी था। बोल्ट ने यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा कि मैंने दुनिया भर के कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों को गेंदबाजी की है जिसमें क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स शामिल हैं।

ओलंपिक 2028 में कंपाउंड तीरंदाजी की एंट्री, 7 भारतीय तीरंदाज टॉप्स कोर में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी 155वीं बैठक में कंपाउंड तीरंदाजी को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर समूह में शामिल करते हुए सात भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों को सीधे इस समूह में जगह दी है। यह फैसला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में कंपाउंड तीरंदाजी को आधिकारिक रूप से शामिल किए जाने के बाद लिया गया। टॉप्स कोर समूह में शामिल किए गए तीरंदाजों में ओजस प्रविण देवताले, ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपिचंद स्वामी, अभिषेक वर्मा, पर्णीत कौर, प्रियांश और प्रथमेश समधान जवकर शामिल हैं। यह पहला मौका है जब 1972 में तीरंदाजी की ओलंपिक में पुनः वापसी के बाद किसी नए बाउ

स्टाइल को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। फ्लोरिडा में आयोजित हाल ही के आर्चरी वर्ल्ड कप में भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम ने तीन स्वर्ण पदक जीते, जिनमें महिला टीम स्वर्ण (अदिति स्वामी और पर्णीत कौर के साथ), मिश्रित टीम स्वर्ण (अभिषेक वर्मा के साथ) और व्यक्तिगत स्वर्ण शामिल हैं। पुरुष वर्ग में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश की टीम ने स्वर्ण जीता, जबकि प्रियांश को व्यक्तिगत रजत मिला। इन खिलाड़ियों को टॉप्स कोर में शामिल करने के लिए न्यूनतम औसत स्कोर (पुरुषों के लिए 9.77+ और महिलाओं के लिए 9.67+) तथा विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स जैसी प्रमुख प्रतियोगिताओं में पदक विजेता होना अनिवार्य था। एमओसी ने टॉप्स, टीम और टैग योजनाओं के तहत कुल 56 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिनकी कुल लागत 4.37 करोड़ रुपये है। लॉन्ग जम्पर शाइली सिंह को यूएई ग्रां प्री और एथलेटिक्स वुमन गाला के लिए वित्तीय सहायता मिली। मुक्केबाज निखत जरीन को ताशकंद में 17 दिवसीय ट्रेनिंग के लिए मदद मिली। मनीषा बत्रा, श्रीजा अकुला (टेबल टेनिस), फवाद मिर्जा (अश्वारोहण), माया राजेश्वरन (टेनिस), भवानी देवी (फेंसिंग), हर्षिता जाखड़ (साइक्लिंग) और पैरालंपिक पदक विजेता निशाद कुमार व सुमित अंतिल के प्रस्तावों को भी एमओसी ने हरी झंडी दी।

धर्मशाला में 900 के करीब पुलिस जवान और अधिकारी संभालेंगे सुरक्षा और ट्रैफिक का जिम्मा

एजेंसी

धर्मशाला। एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में खेले जाने वाले आईपीएल मैचों के दौरान 900 के करीब पुलिस जवान और अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक का जिम्मा सम्भालेंगे। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए वनवे व्यवस्था भी की जाएगी। टैक्सी चालक कचहरी चौक में ही सवारियों को ड्राप करेंगे। सड़क मार्गों को सुबह 9 से 11 बजे तक वनवे कर दिया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में तीन मैचों के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मटौर से चैतड़ू धर्मशाला की ट्रैफिक को वनवे किया जाएगा। जबकि धर्मशाला से जाते हुए शिल्ला चैतड़ू रोड़ को वनवे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चार मई को होने वाले पहले मैच के साथ ही इस दिन नीट का एग्जाम भी है, तो उसके तहत ही ट्रैफिक व्यवस्था बनाई गई है। इस दौरान नीट छात्रों के लिए किसी भी प्रकार सड़क मार्ग से सेंटर में पहुंचने से नहीं रोका जाएगा। एसएसपी ने कहा कि पीजी कॉलेज धर्मशाला व अन्य संस्थानों में पार्किंग नहीं होगी, हालांकि उन्हें ड्राप करके वाहनों को बाहर ही पार्क करना होगा। मैच के दौरान 25 से 30 हजार के करीब लोगों की अवाजाही रहेगी। ट्रैफिक की दृष्टि से धर्मशाला को आठ सेक्टर में बांटा गया है, जिनमें गगल से खनियारा, मैकलोडगंज, धर्मकोट तक रहेंगे। मैच के दौरान सड़क के किनारे वाहन पार्किंग नहीं हो पाएंगे तथा बेतरतीब पार्किंग पर कार्रवाई होगी। पुलिस मैदान धर्मशाला, सचिवालय, दाड़ी मेला मैदान, जोरावर मैदान, चीलगाडी रोड़ व डीआईजी कार्यालय में रहेगी। साथ ही शटल बसों की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें दर्शकों को ड्राप किया जाएगा। इन बसों में रुट भी डिस्प्ले भी किया गया है। एसएसपी ने कहा कि मुंबई इंडियन की टीम धर्मकोट में रहेगी, ऐसे में एक नया सेक्टर बनाकर ट्रैफिक व्यवस्था की गई है। स्टेडियम को सुरक्षा की दृष्टि से चार सेक्टर में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि चेकिंग के बाद ही दर्शकों को स्टेडियम के अंदर प्रवेश दिया जाएगा, जबकि स्टेडियम के बाहर पुलिस विभाग की ओर से निगरानी रहेगी। मैच में किसी भी प्रकार के ज्वलन पदार्थ, खाद्य सामग्री, स्लोगन, आपत्तिजनक स्लोगन, फ्लैग जिनका ऑब्जेक्शन है सहित अन्य चीजें ले जाने पर पांबदी रहेगी। जबकि मात्र मोबाइल को जांच के बाद ले जा सकते हैं। एसएसपी ने बताया कि टीमों की मूवमेंट के समय ट्रैफिक को होल्ड किया जाएगा। सर्विलांस व होटलों की चेकिंग सहित अन्य जांच पड़ताल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं। जिला में पैराग्लाइडिंग भी मैचों के दौरान बन्द रहेगी। इसके लिए जिला प्रशासन व एचपीसीए के साथ बैठकें हो रही हैं।

मैचों के दौरान स्टेडियम के बाहर की फीडबैक पुलिस कंट्रोल रूम में रहेगी। कंट्रोल रूम क्रिकेट स्टेडियम व एसपी ऑफिस में भी चल रहा है। 280 कैमरे शहर के लाइव फीड भी दे रहे हैं। मैच खत्म होने के बाद जल्द ही ट्रैफिक को व्यवस्थित किए जाने पर भी काम किया जा रहा है।

मेलबर्न कॉन्सर्ट को लेकर

नेहा ककड़

ने बोला था झूठ? रैपर बोला- उन्होंने गाने के लिए मना किया

सिंगर नेहा कक्कड़ को पिछले महीने उस वक्त ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा जब वो ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में अपने ही कॉन्सर्ट में तीन घंटे देरी से पहुंची थीं। नेहा कक्कड़ स्टेज पर जब आईं तो वो रोती हुई दिखाई पड़ीं। सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो बहुत वायरल हुआ। ट्रोलिंग के बीच नेहा कक्कड़ ने देर से आने की सफाई पेश करते हुए सारा ठीकरा ऑर्गनाइजर्स पर फोड़ दिया था। अब उस इवेंट को लेकर रैपर पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने कहा कि नेहा कक्कड़ ने झूठ बोला था। उनका कहना है कि नेहा कक्कड़ ने कॉन्सर्ट से पहले बहुत नखरे दिखाए थे और गाना गाने से मना कर दिया था।

नेहा कक्कड़ के कॉन्सर्ट में क्यों हुई थी देरी ?

सिद्धार्थ कनन के साथ खास बातचीत में रैपर पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने बताया, नेहा के उस कंपनी के साथ दो शोज थे। उनका पहला शो सिडनी में था, जिसमें 1500-2000 लोग पहुंचे थे और वो शो बहुत अच्छे से हुआ था। दूसरा शो अगले दिन मेलबर्न में था जिसमें 700 लोग आए थे और ये वही शो था जिसमें वो तीन घंटे देरी से आई थीं। भीड़ उनपर बहुत गुस्सा थी क्योंकि वो घंटों से इंतजार कर रही थी।

नेहा ने गाना गाने से कर दिया था मना

उन्होंने बताया कि नेहा कक्कड़ ने 700 लोगों के सामने गाने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि वो तब तक स्टेज पर नहीं जाएंगी जबतक स्टेडियम भरा नहीं होगा। नेहा ने दावा किया था कि ऑर्गनाइजर्स उनके पैसे लेकर भाग गए हैं, स्टेज पर साउंड चेक नहीं था क्योंकि ऑर्गनाइजर्स ने साउंड इंजीनियर्स को भी पैसे नहीं दिए थे। साउंड वाले दावे पर रैपर पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने बताया कि नेहा की परफॉर्मेंस से पहले एक ओपनिंग एक्ट हुआ था। सभी ने अच्छे से परफॉर्म किया था, इसलिए साउंड सेटअप ठीक था।

नेहा के दावे को बताया झूठ

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में ये कॉमन है कि अगर कोई आर्टिस्ट आपके देश में आ रहा है तो उसका पूरा पेमेंट पहले ही हो जाता है, आर्टिस्ट के ऑस्ट्रेलिया आने से पहले। दोनों ने कहा कि मेलबर्न में नेहा कक्कड़ के कॉन्सर्ट में भीड़ नहीं आई थी जिसकी वजह से ऑर्गनाइजर्स को 500,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर का नुकसान हुआ।

साबुन के विज्ञापन शूट पर पहली बार मिले थे गौरी-हितेन, फिर ऐसे शुरू हुई थी इनकी लव स्टोरी

छोटे पर्दे की मशहूर जोड़ी हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान ने कई साल टीवी पर बेस्ट जोड़ी के तौर पर राज किया. हितेन-गौरी ना सिर्फ रील लाइफ की पॉपुलर जोड़ी रही, बल्कि रियल लाइफ में भी इन्होंने एक-दूसरे का साथ चुना और आज इनकी शादी को 21 साल पूरे हो चुके हैं. हितेन और गौरी 21 सालों से साथ हैं और आज भी उनके बीच की कैमिस्ट्री कम नहीं हुई है.

29 अप्रैल 2004 को हितेन और गौरी ने पहले मराठी और फिर सिंधी रीति-रिवाज के साथ शादी की थी. 2009 में हितेन-गौरी ट्विन्स बच्चों नीवान और कात्या के पैरेंट्स बने. हितेन और गौरी की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है, जिसके बारे में आइए बताते हैं.

कैसे हुई थी हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान की पहली मुलाकात ?

हितेन तेजवानी कई बार अपनी और गौरी की लव स्टोरी पर बात कर चुके हैं. एक दौर था जब हितेन तेजवानी टीवी के चहेते एक्टर थे और आज भी वो एक्टिंग में कमाल कर रहे हैं. हितेन शुरू से हंसमुख नेचर के रहे हैं, वहीं गौरी शुरू से गंभीर मिजाज की रही हैं. हैदराबाद में किसी साबुन के शूट पर पहली बार गौरी और हितेन की मुलाकात हुई थी.

मस्तमौला लड़का जब गंभीर स्वभाव वाली लड़की से मिला तो कुछ मस्ती-मजाक हुआ लेकिन गौरी को हितेन का नेचर बिल्कुल पसंद नहीं आया. शूटिंग खत्म हुई और दोनों अपने-अपने घर चले गए. बाद में लगभग 6 महीने के बाद गौरी और हितेन को एकता कपूर के ऑफिस से फोन आया और फिर यहां उनकी दूसरी मुलाकात हुई.

हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान की लव स्टोरी ?

एकता कपूर ने गौरी और हितेन को 'कुटुंब' के लिए लीड रोल ऑफर किया. दोनों नए कलाकार थे और एकता कपूर उस समय की बड़ी टीवी सीरियल मेकर थीं तो उन्होंने 'कुटुंब' के लिए हां कह दी. एक इंटरव्यू में हितेन ने बताया था कि 'कुटुंब' के शूट पर ब्रेक के समय गौरी अक्सर किताबें पढ़ा करती थीं और हितेन को लोगों से बातें करना पसंद था. बताया जाता है कि एक बार गौरी हितेन के एक जोक पर मुस्कुरा दीं और फिर हितेन ने गौरी से दोस्ती कर ली.इनकी दोस्ती कुछ ही महीनों में प्यार में बदली और इन्हें एकता कपूर का दूसरा बड़ा सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में करण-नंदिनी का रोल मिला जिसके बाद ये जोड़ी टीवी के फेमस कपल बन गए. इन्हें कई बार बेस्ट कपल का अवॉर्ड भी मिला और फिर गौरी-हितेन ने अपने रिलेशन को शादी में बदल लिया.

करिश्मा कपूर ने किया अपना पहला ऑफिशियल डांस स्टेप, तस्वीर ने जीत लिया फैंस का दिल

90 के दशक में करिश्मा कपूर का जलवा हर किसी ने देखा और उस समय करिश्मा ने ढेरों सुपरहिट फिल्में बतौर लीड एक्ट्रेस दीं. आज करिश्मा का एक्टिंग करियर भले ही पहले जैसा ना हो, लेकिन अपनी उन फिल्मों के जरिए उन्होंने फैन फॉलोविंग आज भी बनाए रखी है. फैंस के लिए इंटरनेशनल डांस डे पर करिश्मा ने एक खास तस्वीर शेयर की.29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस डे मनाया जाता है और इस खास मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने अपना पहला डांस स्टेप शेयर किया. ये डांस स्टेप उन्होंने अपने दादाजी और सुपरस्टार रहे राज कपूर के साथ किया था.

करिश्मा कपूर ने शेयर की राज कपूर की खास तस्वीर

करिश्मा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जिसमें छोटी सी करिश्मा अपने दादा जी राज कपूर के साथ डांस कर रही हैं. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'इंटरनेशनल डांस डे के खास मौके पर शेयर कर रही हूं अपना पहला ऑफिशियल डांस. इससे बेहतर डांस पार्टनर की उम्मीद नहीं कर सकती थी.' इस तस्वीर के साथ करिश्मा ने हार्ट इमोजी भी शेयर की है.

इस तस्वीर में करिश्मा कपूर करीब 10-12 साल की दिख रही हैं जो अपने दादाजी राज कपूर के साथ डांस करती दिख रही हैं. करिश्मा की इस तस्वीर के कमेंट बॉक्स में रिद्धिमा कपूर, सोफी चौधरी और संजय कपूर जैसे सितारों ने हार्ट इमोजी शेयर की है. फैंस भी करिश्मा कपूर की इस तस्वीर को पसंद कर रहे हैं और हो भी क्यों ना इसमें बॉलीवुड के दो अलग-अलग जेनरेशन के सुपरस्टार नजर आ रहे हैं.

करिश्मा कपूर का फिल्मी करियर

राज कपूर के बड़े बेटे रणधीर कपूर की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर अब 50 साल की हो चुकी हैं. करिश्मा कपूर ने 1991 में फिल्म प्रेम कैदी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद करिश्मा ने 90 के दशक में ही 'सुहाग', 'गोपी-किशन', 'मैदान-ए-जंग', 'जिगर', 'खुद्दार', 'साजन चले ससुराल', 'अनाड़ी', 'जीत', 'कूली नंबर 1', 'राजा बाबू', 'कूली नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'जुड़वा', 'बीवी नंबर 1', 'दिल तो पागल है' और 'हसीना मान जाएगी' जैसी सुपरहिट फिल्में कर चुकी हैं.2003 में करिश्मा कपूर ने बिजनेसमैन संजय कपूर के साथ शादी की थी, जिनसे उन्हें दो बच्चे हैं. तलाक के बाद करिश्मा के पास ही दोनों बच्चे रहते हैं जो अब बड़े हो गए हैं. करिश्मा कपूर ने शादी के बाद भी एक्टिंग करियर जारी रखा, लेकिन वो बात नहीं दिखी जो 90 के दशक में उनकी फिल्मों में दिखा करता था.

पलक तिवारी

ने इंस्टाग्राम पर 'क्यूट बंदा' खोजकर की थी डेटिंग, बोलीं- 2 हजार नाम खंगाले थे

श्वेता तिवारी की बेटी पलक अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर ओपनली बात करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि एक लड़का पसंद आ गया तो उन्होंने उसे किस कदर स्टॉक किया और उसको डेट भी किया। वैसे पलक का नाम सैफ के शहजादे इब्राहिम से भी जोड़ा जाता है। दोनों को कई बार साथ देखा जा चुका है और उनकी वैकेशन की तस्वीरें भी वायरल थीं।

क्यूट लड़कों को खोज लेती हैं पलक

जूम से बातचीत में पलक बोलीं, मैं बताती हूं मैंने जो सबसे पागलपन वाली चीज की... तो एक बंदा था, जिसे देखकर मुझे लगा कि अरे यार ये तो बहुत क्यूट है। अगर मुझे कोई बंदा दिखता है और वो क्यूट लगता है तो मुझे जानना होता है कि वह कौन है। पर मुझे कुछ पता नहीं था, उसका नाम भी नहीं। मैंने उसे बस एक बार देखा था और ये जानती थी कि इसके बारे में पता लगाना है।

पलक ने खंगाले 2000 नाम

पलक ने बताया कि उन्हें ये बंदा एक अंजान शख्स की इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिख गया। वह बताती हैं, उस बंदे ने स्टोरी पोस्ट की और उसे टैग नहीं किया। वह 2000 लोगों को फॉलो कर रहे थे। आप यकीन नहीं करोगे मैंने 2000 नाम खंगाले ताकि उसका नाम पता चल जाए। मैंने इसे अपनी दोस्त को भेजा। यह सब मैंने अपने लिए किया था किसी और के लिए नहीं कर सकती थी। हां लेकिन यह काम कर गया। पलक ने उस बंदे को डेट किया और उनका रिलेशन कुछ ही दिन चला। हालांकि पलक ने उस शख्स का नाम नहीं बताया।

उड़ीसा के कलिंगा में फिर एक नेपाली छात्रा ने आत्महत्या की

काठमांडू

उड़ीसा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में गुरूवार को एक नेपाली छात्रा के आत्महत्या करने की खबर सामने आई है। अपने ही हॉस्टल में छात्रा पंखे से लटकी पाई गई है। कटक पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। केआईआईटी में अध्ययनरत नेपाली छात्रों ने बताया कि प्रिशा शाह के रूप में पहचानी गई एक नेपाली छात्रा भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (के. आई. आई. टी.) विश्वविद्यालय के अपने छात्रावास के कमरे में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई। तीन महीने के भीतर परिसर में नेपाली छात्र से जुड़ी यह दूसरी ऐसी घटना है। इन्फोसिटी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कटक के पुलिस आयुक्त एस देवदत्त ने बताया है कि नेपाली छात्रा की आत्महत्या की घटना की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मौत के विभिन्न कोणों से जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पिछली बार वाली घटना की पुनरावृति नहीं हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। गत 16 फरवरी को 20 वर्षीय नेपाली छात्रा प्रकृति लम्साल की रहस्यमयी मौत हुई, जिनके निधन से विरोध प्रदर्शन और संस्थागत विफलता के आरोप लगे। मृत छात्रा लम्साल ने मौत से पहले विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय (आईआरओ) में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कथित तौर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

कांग्रेस ने ओबीसी और एससी को केवल वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल : तरुण चुघ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मोदी सरकार के जातिवार गणना के फैसले को जनहित में ऐतिहासिक फैसला बताया । उन्होंने गुरुवार को मीडिया से कहा कि सरकार ने जो अगली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने का फैसला लिया है, यह ऐतिहासिक और युगांतकारी फैसला है । भारतीय जनता पार्टी जाति की राजनीति नहीं, बल्कि हर जाति का कल्याण, समाज के हर वर्ग का कल्याण हो, इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने निरंतर कल्याण के कार्य किए।

डी ए वी एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी ने किया श्रमिकों का सम्मान

दिव्या दिल्ली : विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर डी ए वी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी एवं कौशिक गैस एजेंसी के संयुक्त तत्वाधान में श्रमिक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रोहिणी सेक्टर 16 स्थित बंसल भवन में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के संयुक्त श्रम आयुक्त डॉक्टर रति सिंह फोगाट ने श्रमिकों को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना करते हुए सम्मानित किया।इस मौके पर जाने-माने कवि अरुण जैमिनी, महेंद्र अजनबी, वेद प्रकाश वेद, मनीष मधुकर एवं सैनी ने अपनी कविताओं के माध्यम से लोगों को जमकर गुदगुदाया तो सामाजिक बुराइयों पर कटाक्ष करते हुए श्रमिकों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पूर्ण माहौल पर भी उन्होंने अपने तरकश से तीर छोड़ लोगों में जोश भर दिया। इस मौके पर सोसाइटी की अध्यक्षा राधा भारद्वाज जाने माने वैज्ञानिक सुरजीत डबास ,अजय कौशिक ने समाज के लिए अच्छा काम करने वाले राकेश गुप्ता, स्नेहा त्यागी, संदीप दत्त, गीतांजलि त्रिपाठी, विनय कुमार कश्यप, अंबुज चतुर्वेदी, रितु मुकेश, अशोक वर्मा, अमित नागपाल, विजय लकड़ा, डोली चावला, वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र पांचाल एवं दिल्ली भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक रामदास मलिक आदि को सम्मानित किया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा प्रत्येक वर्ष 1 मई को विश्व श्रमिक दिवस मनाया जाता है, जो श्रमिकों के अधिकारों और उनकी गरिमा का प्रतीक है। यह दिन श्रमिकों के संघर्षों और उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने समाज के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा श्रमिक हमारे समाज की रीढ़ हैं। वे हमारे घरों, सड़कों, पुलों, और अन्य बुनियादी ढांचों का निर्माण करते हैं। वे हमारे लिए आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करते हैं। श्रमिकों के बिना, हमारा समाज और अर्थव्यवस्था ठीक से काम नहीं कर सकती है।श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना हमारे समाज की जिम्मेदारी है। श्रमिकों को उचित मजदूरी, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों, और सामाजिक सुरक्षा का अधिकार है। उन्हें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने और अपनी आवाज उठाने का भी अधिकार है। विश्व श्रमिक दिवस श्रमिकों के अधिकारों और उनकी गरिमा का प्रतीक है। यह दिन श्रमिकों के संघर्षों और उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन हमें श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने और उनके कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है।

विश्व श्रमिक दिवस एक महत्वपूर्ण अवसर है जो हमें श्रमिकों के अधिकारों और उनकी गरिमा का सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। हमें श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने और उनके कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

आईपीए मैच के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम पहुंची धर्मशाला

दिव्या दिल्ली : आईपीएल 2025 के आगामी मुकाबले के तहत लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 1 मई को विशेष विमान से कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंची टीम के खिलाड़ियों ने एयरपोर्ट पर उतरते ही धौलाधार पर्वतमाला के सुंदर दृश्यों का लुत्फ उठाया और फोटो खिंचवाए एयरपोर्ट पर पहुंचते ही खिलाड़ियों का पारंपरिक ढंग से हिमाचली संस्कृति के अनुसार स्वागत किया गया ढोल-नगाड़ों और लोक परिधानों में सजे कलाकारों ने मेहमानों का अभिनंदन किया इसके बाद खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गाड़ियों में बैठाकर होटल रवाना किया गया। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर रवि बिश्नोई की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एयरपोर्ट पहुंचे फैंस ने खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश भी की लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी को भी खिलाडियों के साथ सेल्फी लेने की अनुमति नहीं दी गई दोनों टीमें आगामी मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है और मैच से पहले धौलाधार की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच एचपीसीए स्टेडियम में प्रैक्टिस करती नजर आएगी सभी की नजरें अब धर्मशाला में होने वाले 4 मई को पंजाब किंग्स इलेवन के साथ रोमांचक मुकाबले पर टिकी हैं।

पूर्व सीपीएस नीरज भारती ने हार खब्बल में काउ सेंचुरी का शुभारंभ

दिव्या दिल्ली : पूर्व सीपीएस नीरज भारती ने आज ज्वाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हार खब्बल में निर्मित काउ सेंचुरी का वैदिक मंत्रोच्चारण व गाय पूजन कर शुभारंभ किया। इस मौके पर नीरज भारती ने कहा कि इस गोशाला के संचालन से इलाके के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। बेसहारा पशु जो अब तक किसानों की फसलें उजाड़ रहे थे, उन्हें अब उचित आश्रय मिलेगा। इससे न केवल किसानों को फायदा होगा, बल्कि हजारों पशुओं को भी संरक्षित वातावरण में रहने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गऊ संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले दो वर्षों में सरकार ने बेसहारा पशुओं की संख्या पर रोक लगाने के लिए कई महत्वपूर्ण और कारगर कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पशु पालकों के लिए सुक्खू सरकार ने 500 करोड़ की दूध गंगा योजना आरंभ की गई है जिसके तहत गांवों में दूध एकत्रित कर कलस्टर स्तर पर चिलिंग प्वाइंट तक पहुंचाया जाएगा जिससे पशु पालकों को भारी मुनाफा होगा नीरज भारती ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे भी गोसेवा के इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने नीरज भारती का कांग्रेस प्रवक्ता संसार सिंह सहित पशु पालन विभाग के अधिकारिओं ने जोरदार स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया कि उनके प्रयासों से यह काउ सेंचुरी साकार हो सकी।

जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों को करेगा सशक्त : डॉ. के लक्ष्मण

नई दिल्ली

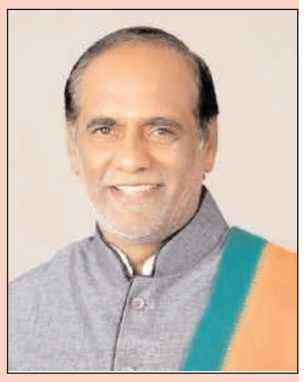

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ के. लक्ष्मण ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिवार गणना को शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह एक साहसिक और पारदर्शी कदम सामाजिक न्याय, सूचित नीति निर्माण तथा भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों के लिए वरदान साबित होगा। डॉ. लक्ष्मण ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारत में अंतिम व्यापक जाति जनगणना 1931 में ब्रिटिश सरकार ने आयोजित की थी। तब से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़ों को छोड़कर, राष्ट्रीय स्तर पर कोई आधिकारिक जाति गणना नहीं हुई है। दशकों से सटीक आंकड़ों की अनुपस्थिति ने अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य हाशिए के समुदायों के लिए कल्याणकारी नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। 94 वर्षों के बाद इस प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने का मोदी सरकार का निर्णय साक्ष्य-आधारित शासन और पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के दोहरेपन को उजागर करना महत्वपूर्ण है। विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने बार-बार जाति जनगणना की मांग को एक राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल किया है, घोषणापत्रों और सार्वजनिक रैलियों में इसका वादा किया है। हालांकि, सत्ता में आने पर कांग्रेस सरकारें लगातार इसे पूरा करने में विफल रही हैं। वर्ष 2010 में कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने जाति जनगणना पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया था, लेकिन सरकार ने केवल एक सर्वेक्षण आयोजित करने का विकल्प चुना, न कि पूर्ण, पारदर्शी गणना सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना के डेटा को कभी भी पूरी तरह से जारी नहीं किया गया था और यह अभ्यास स्पष्टता और पारदर्शिता की कमी से प्रभावित था।

भारतीय रेल के लिए डिजाइन करें डिजिटल क्लॉक, पाएं 5 लाख रुपये का इनाम

नई दिल्ली

भारतीय रेल ने देश के सभी स्टेशनों पर नए डिजाइन के डिजिटल क्लॉक लगाने की योजना बनाई है जिसके लिए डिजाइन बनाने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार सभी स्टेशनों की डिजिटल घड़ियों को मानकीकृत करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके तहत पेशेवर, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी स्टूडेंट तथा स्कूली छात्रों के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं। तीनों श्रेणियों को मिलाकर भारतीय रेल में उपयोग के लिए चयनित डिजाइन बनाने वाले किसी एक विजेता को पांच लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। तीनों श्रेणियों में 50-50 हजार रुपये के पांच-पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के तहत 1 मई से 31 मई तक प्रतिभागियों को डिजिटल घड़ी का डिजाइन ऑनलाइन माध्यम से जमा करना है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार के अनुसार हाई रेजोल्यूशन वाली डिजाइन जिसमें वाटर मार्क या लोगो ना हो, को ईमेल के माध्यम से भेजना है।

सीएजी ने अजमेर शरीफ दरगाह के ऑडिट करने की प्रक्रिया को चुनौती वाली याचिका का किया विरोध

नई दिल्ली

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने अजमेर शरीफ दरगाह के ऑडिट करने की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका का विरोध किया है। सीएजी ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल जवाबी हलफनामे में अजमेर शरीफ दरगाह की याचिका का विरोध किया है। जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने इस मामले पर अगली सुनवाई सात मई को करने का आदेश दिया।

याचिका अजमेर दरगाह शरीफ का संचालन करने वाली सोसायटी अंजुमन मोइनिया फखरिया चिश्तिया खुद्दम ख्वाजा साहिब सैयदजदगन दरगाह शरीफ ने दायर की है। याचिका में दरगाह परिसर की सीएजी अधिकारियों की कथित गैरकानूनी जांच को चुनौती दी गई है।

कोर्ट ने तहव्वुर राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने के लिए एनआईए को दी अनुमति

नई दिल्ली

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में हुए आतंकी हमलों के आरोपित और साजिशकर्ता तहव्वुर राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को अनुमति दे दी है। स्पेशल एनआईए जज चंदर जीत सिंह ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी की याचिका पर यह आदेश दिया। तहव्वुर राणा फिलहाल एनआईए की हिरासत में है। कोर्ट ने 28 अप्रैल को तहव्वुर राणा की एनआईए हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ाई थी। कोर्ट ने 24 अप्रैल को तहव्वुर राणा द्वारा की गई अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति की मांग खारिज कर दी थी। कोर्ट ने 10 अप्रैल को तहव्वुर राणा को 28 अप्रैल तक की एनआईए की हिरासत में भेजा था। एनआईए ने 10 अप्रैल की शाम को तहव्वुर को दिल्ली के पालम वायुसेना अड्डे पर उतरते ही गिरफ्तार कर लिया था। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रत्यर्पण के खिलाफ राणा की याचिका खारिज किए जाने के बाद उसे लाने के लिए भारतीय एजेंसियों की एक टीम अमेरिका गई थी। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकताओं में से एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है। 64 वर्षीय तहव्वुर राणा के सहयोग की वजह से उस समय भारत में हेडली की आवाजाही आसान हो गई थी। पाकिस्तान मूल के तहव्वुर राणा और डेविड कोलमैन हेडली बचपन के दोस्त थे और दोनों ने एक ही सैनिक स्कूल से पढ़ाई की थी। तहव्वुर राणा ने डेविड कोलमैन हेडली की मदद के लिए मुंबई में एक एजेंसी खोली थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ताज महल इलाके में बिना अनुमति पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने के अपने आदेश को दोहराया

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ताज महल के पांच किलोमीटर इलाके में कोर्ट की अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने के अपने 2015 के आदेश को आज फिर दोहराया है। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में पेड़ों को काटने की अनुमति के लिए आवेदन करना होगा भले ही पेड़ों की संख्या 50 से भी कम हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो केंद्रीय अधिकार प्राप्त कमेटी (सीईसी) की सिफारिशें मानेगी और उसके बाद ही पेड़ों को काटने की अनुमति देने पर विचार करेगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397